''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 84 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 26 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

पंचकुला में नव निर्वाचित निकाय जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह

समाचार गेट/संजय शर्मा

पंचकुला। हरियाणा के नव निर्वाचित महापौर, नगर पालिका चेयरमैन और पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह पंचकुला के इंद्रधनुष स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने सभी नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बिना भेदभाव कार्य करने की अपील की और नगर पालिकाओं के विकास के लिए 587 करोड़ की राशि जारी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने निकाय चुनावों में पारदर्शिता और जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए मेयर और चेयरमैन के चुनाव सीधे वोटिंग से कराने का फैसला लिया, जिससे जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने की वित्तीय स्वायत्तता और मानदेय वृद्धि की घोषणा

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने अपने संबोधन में कहा, महापौर अपने शहर के प्रथम नागरिक होते हैं, इसलिए उनका दायित्व है कि वे अपने नगर निगम को भी प्रथम स्थान पर लेकर जाएं।

विपुल गोयल ने कहा कि जब हम सरकार शब्द सुनते हैं, तो ऐसा लगता है कि यह हमसे दूर बैठी कोई चीज़ है जो हमारे लिए काम कर रही है। हालांकि, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 24 घंटे अपने द्वार प्रदेश के परिवार के लिए खोलकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल क्रांति के माध्यम से सरकार और नागरिकों के बीच की दूरी को खत्म कर दिया है। फिर भी, जमीनी स्तर पर जो सरकार लोगों को नाम से पहचानती है, घर-घर जाती है, और जनता से सीधा संवाद करती है, वह निकाय सरकार है।

उन्होंने शहरी स्थानीय निकायों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए संपत्ति कर, कचरा शुल्क, विज्ञापन शुल्क, पानी और सीवर शुल्क के निर्धारण की न्यूनतम और अधिकतम सीमा के अंदर स्वायत्तता देने की भी घोषणा की। जनप्रतिनिधियों के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए बताया कि नगर निगमों में महापौर का मानदेय 30,000 किया गया है, जबकि वरिष्ठ उप महापौर को 25,000 रुपए, उप महापौर को 20,000 रुपए एवं पार्षदों को 15,000 रुपए मानदेय दिया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने स्वच्छता को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत मिशन को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिशन मोड में कार्य करना होगा। उन्होंने अपील की कि हर शहर की पहचान उसकी स्वच्छता से होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निकाय सरकारों के कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए ई-समाधान मोबाइल एप्लिकेशन और शिकायत निवारण पोर्टल का शुभारंभ किया। इस डिजिटल पहल से नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ तेजी से मिलेगा।

हरियाणा में नागरिकों और सरकार के बीच दूरी खत्म करने का प्रयास

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि सरकार जनता के हर वर्ग के लिए काम कर रही है। उन्होंने जन धन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना और पेंशन योजनाओं जैसी पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि निकाय सरकारें ही वह इकाई हैं, जो जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को तुरंत हल कर सकती हैं।

फरीदाबाद का चहुंमुखी विकास करना है मेरी प्राथमिकता : प्रवीण बत्रा जोशी

फरीदाबाद को विकसित एवं स्वच्छ बनाना हमारा संकल्प

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। मंगलवार को फरीदाबाद की मेयर की शपथ लेने के बाद अधिकारिक रूप से मेयर बनीं प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि फरीदाबाद का चहुंमुखी विकास करना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। फरीदाबाद के कोने-कोने तक विकास पहुंचाया जाएगा। फरीदाबाद की देवतुल्य जनता ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया है, उस पर सदा खरा उतरने का वो प्रयास करेंगी।

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने भारतीय जनता पार्टी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा संगठन ने मेयर पद की टिकट देकर उन्हें सम्मान देने का काम किया और फरीदाबाद की देवतुल्य जनता ने तो देश की सबसे बड़ी जीत देकर उनका सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। प्रवीण बत्रा जोशी ने प्रदेश के अन्य जिलों से मेयर, चेयरमैन के साथ शपथ ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल मौजूद रहे। प्रवीण बत्रा जोशी ने उनका आभार जताया।

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय केबिनेट मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाध्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, विधायकों समेत भाजपा नेतृत्व का आभार जताया कि उन पर संगठन ने भरोसा कर मेयर की टिकट दी। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वे 3.17 लाख वोटों से जीतीं। हरियाणा के ही 10 नगर निगमों में नहीं, बल्कि देश में यह सबसे बड़ी जीत रही। प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि 4 लाख 16 हजार 927 वोटों के साथ फरीदाबाद की जनता का उन्हें जो आशीर्वाद मिला, उसे विकास के रूप में कई गुणा करके लौटाने का काम करेंगी। उन्होंने कहा कि यह उनका पहला चुनाव था। इस चुनाव को फरीदाबाद की जनता ने देश में ही ऐतिहासिक बना दिया। फरीदाबाद नागर निगम में भाजपा के 46 में से 39 उम्मीदवारों को पार्षद चुनकर भी जनता ने भाजपा में अपना पूर्ण विश्वास जताने का काम किया।

कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए श्रीमती प्रवीण जोशी ने कहा कि जो कांग्रेस पार्टी अपना मेयर बनाने का दावा कर रही थी उसके उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई और 46 में से सिर्फ एक पार्षद से ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस पार्टी अब अतीत हो चुकी है। जनता अच्छे से समझ चुकी है कि उनका विकास केवल भाजपा ही कर सकती है ।

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलते हुए जन जन के विकास और उत्थान के लिए काम कर रही है। फरीदाबाद में ट्रिपल इंजन की सरकार बन चुकी है और उस सरकार को तेज गति से चलाकर हम विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। श्रीमती जोशी ने कहा कि राजधानी दिल्ली के निकट होने के नाते हमारा फरीदाबाद बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है और अपने शहर को विकसित एवं स्वच्छ बनाना हमारा संकल्प है । फरीदाबाद जिले के नगर निगम क्षेत्र को वे बारीकी से समझती हैं। चुनाव प्रचार में हर क्षेत्र में जाने का अवसर मिला। हर क्षेत्र की समस्याओं से वो भली-भांति परिचित हैं। फरीदाबाद शहर के विकास के लिए जो भी विकास कार्यों की जरुरत होगी, वो सभी विकास कार्य लिए जाएंगे और जनता की जो भी समस्याओं होंगी, उनका समाधान किया जाएगा।

संपत्तिकर समय पर करवाएं जमा अन्यथा संपत्ति होगी सील

बल्लभगढ़ में चलाया गया सीलिंग अभियान, 11 यूनिट सील

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। नगर निगम द्वारा बल्लभगढ़ जॉन में आज लगभग 11 संपत्तियों को सील किया गया है इनमें ऊपर लगभग 85 लाख रुपए से ज़ूयादा का टैक्स बकाया था। सीलिंग कार्यवाही के दौरान बल्लभगढ़ शहर और सेक्टर 24,मिर्जापुर ,गौंच्छी एरिया में चलती हुई वर्कशॉप और दुकानों को सील किया गया। नगर निगम द्वारा बकाया प्रॉपर्टी टैक्स मालिकों पर कार्यवाही लगातार जारी है और इस मामले में आज बल्लभगढ़ जॉन में करीब 11 प्रॉपर्टी यूनिटों को सील किया गया है। निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के आदेशों पर एडिशनल कमिश्नर स्वनिल रविन्द्र पाटिल के मार्गदर्शन में बल्लभगढ़ जॉन की जड़टीओ दीपा की टीम ने बल्लभगढ़ के अलग अलग जगहों पर ये कार्यवाही की है। नगर निगम का करोड़ों रुपए का टैक्स प्रॉपर्टी मालिकों पर बकाया है जिसे वसूल करने के लिए सीलिंग की कार्यवाही की जा रही है। जेड़टीओ दीपा ने बताया कि बल्लभगढ़ में प्रॉपर्टी टैक्स के बकायादारों को नोटिस दे दिए गए थे, लेकिन उन्होंने समय पर टैक्स जमा नहीं कराया इसलिए यह कार्रवाई शुरू कर दी गई है और आगे भी जारी रहेगी उन्होंने बताया कि नगर निगम को प्राप्त होने वाला टैक्स शहर के विकास में लगाया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी अपना टैक्स समय पर नगर निगम में जमा कराए।

बल्लभगढ़ ने रचा इतिहास

बल्लभगढ से एक ही परिवार के 3 पार्षदों ने शपथ लेकर इतिहास रचा, जिसमें नगर निगम वार्ड 40 से पार्षद पवन यादव, 42 से पार्षद दीपक यादव एवं वार्ड 43 की नवनियुक्त पार्षद रश्मि यादव शपथ ग्रहण समारोह के दौरान।

'माह-ए-रमजान' में कांग्रेस नेता लुकमान रमीज ने दी बधाई

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। इस्लाम धर्म का सबसे पवित्र महीना 'रमजान' चल रहा है। 'रमजान' के पवित्र महीने में कांग्रेस नेता एंव जोनल अध्यक्ष माइनॉरिटी डिपार्टमेंट हरियाणा प्रदेश एवं कोऑर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश जिला मेवात प्रभारी ओबीसी सेल लुकमान रमीज ने देशवासियों को 'रमजान' की बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। उम्मीद है कि यह समाज में शांति और सद्भाव लेकर आएगा। यह पवित्र महीना चिंतन, कृतज्ञता और भक्ति का प्रतीक है, साथ ही हमें करुणा, दया और सेवा के मूल्यों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र महीना आपके जीवन को खुशियों से भर दे और आपके दिल में शांति लाए। उन्होंने कहा कि मैं सभी लोगों को रमजान की मुबारक देता हूं। गौरतलब है कि रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है, जिसे मुसलमान पूरे विश्व में रोजा रखकर (उपवास) मनाते हैं। रमजान के दौरान मुसलमान सूर्योदय से सूर्यास्त तक उपवास रखते हैं, जिसे रोजा कहा जाता है। रमजान के बाद ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन मुसलमान एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हैं और अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं और देश की अमन शांति के लिए दुआ करते हैं।

आईएमए आयुष जिला फरीदाबाद इकाई का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। आईएमए आयुष जिला फरीदाबाद इकाई का वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें भगवान धन्वंतरि जी की वंदना के साथ दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया, दीप प्रज्वलन के मुख्यअतिथि जीवा आयुर्वेद केनिदेशक डॉ प्रताप चौहान जी के साथ डॉ सी बी पाराशर डॉ श्रीकांत भार्गव डॉ ज्ञानेंद्र सहपाठी डॉ अनिल आहूजा डॉ सी एस भारद्वाज डॉ वी पी सिंगला डॉ अनिल गुप्ता डॉ दीपक राज जैन ने किया। इस अवसर पर संस्था के केंद्रीय संरक्षक भारतीय चिकित्सा परिषद दिल्ली के पूर्व चेयरमैन डॉ आर एस चौहान नेशनल अध्यक्ष डॉ नरेश छावनियां नेशनल जनरल सेक्रेटरी डॉ रमन खन्ना नेशनल कोषाध्यक्ष डॉ राकेश शर्मा लीगल कमेटी हैड डॉ आर पी पांचाल ने अपना आशीर्वाद दिया।

खेल नर्सिरियों के लिए खिलाड़ी दें प्रशिक्षण

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। महानिदेशक खेल विभाग हरियाणा, पंचकूला के आदेशों की पालना में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सभी विभागीय प्रशिक्षकों के द्वारा खेल नर्सरी चलाई जानी है। इस बारे जानकारी देते हुए श्री देवेन्द्र सिंह जिला खेल अधिकारी, फरीदाबाद द्वारा बताया गया है कि जिला फरीदाबाद में एथलैटिक्स, वालीबॉल, फुटबॉल, हॉकी, जूडों, जिम्नास्टिक, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, ताईक्वांडों तथा कबड्डी की खेल नर्सरियों (लडकें/लडकियों) के ट्रायल (8 से 14 तथा 15 से 19 आयु वर्ग में) दिनांक 26.03.2025 को विभागीय प्रशिक्षकों के द्वारा खेल के ट्रायल अपने-अपने प्रशिक्षण केन्द्र पर लिये जायेगें। इच्छुक खिलाडी ट्रायल देने के लिए दिनांक 26.03.2025 को सायं 3:00 बजे प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण केन्द्र पर रिपोर्ट करेगें।

उत्तर प्रदेश समाचार

यूपी में योगी सरकार के आठ वर्ष पूर्ण

सीएम योगी बोले : यूपी ने अराजकता का तांडव देखा और झेला, उसी तंत्र से हमने बदलाव किया

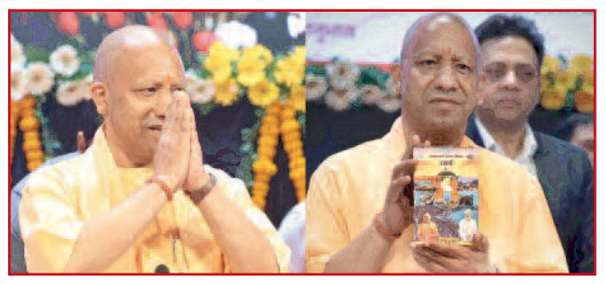

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकार वार्ता की। इस मौके पर उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने सरकार की 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति' पर जोर दिया। सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति क्या थी, यह किसी से छिपा नहीं है। पहले किसान आत्महत्या करता था। युवा के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश में दंगे होते थे। अराजकता का माहौल था। आज प्रदेश वही है, तंत्र वही है, केवल सरकार बदलने से व्यापक बदलाव महसूस किया जा सकता है। पहले यूपी बीमारू राज्य माना जाता था। आज देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। आज हर सेक्टर में यूपी देश के विकास में ब्रेक थ्रू के रूप में देखा जा रहा है। यूपी में प्रकृति की प्रचुर मात्रा में अवसर थे। हम इसको आगे बढ़ा सकते थे। 2017 से पहले किसान आत्महत्या करता था। कृषि सेक्टर में एक वीरानी छाई हुई थी। 2017 के बाद इस क्षेत्र में काफी बदलाव हुए हैं। कृषि विकास दर 13.5 फीसदी से अधिक हुई है। इससे प्रदेश के जीडीपी में 28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसकी शुरूआत हमारी पहली कैबिनेट में 36 हजार करोड़ की कर्जमाफी करके की गई। आज किसानों को पीएम किसान सम्मान योजना सहित हर योजना में धनराशि डीबीटी के माध्यम से जा रही है। सिंचाई क्षेत्र में व्यापक बढ़ोतरी हुई है। वर्षों से सिंचाई परीयोजनाएं लंबित पड़ी थीं। हमने इन्हें शुरू किया। आज आठ वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा किसानों को मिली। प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों का उन्नयन हुआ। एक कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की। 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई। प्रदेश इस सेक्टर में एक अलग स्पीड से आगे बढ़ा। 2017 से पहले चीनी उद्योग बंदी के कगार पर था। आंदोलन होता था। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपये बकाया था। चीनी मिलें बंद होती जा रही थीं। हमने तीन नई चीनी मिलों की स्थापना की। छह नई चीनी मिलों को पुनः संचालित किया। 38 मिलों का विस्तार किया। वर्तमान में 122 चीनी मिलें क्रियाशील हैं। सीएम ने आगे कहा कि 2017 से अब तक दो लाख 80 हजार करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। पिछली सरकारों के 22 वर्ष के कुल भुगतान से 60 हजार करोड़ से ज्यादा भुगतान हमने आठ वर्ष में किया। पीएम कुसुम योजना अंतर्गत सोलर पैनल लगाकर लगभग 86 हजार किसानों के जीवन मे बदलाव लाया गया। 14 लाख निजी नलकूपों को मुफ्त बिजली देकर किसानों की आमदनी बढ़ाने का कार्य किया। 2017 से पहले हर जगह बिचौलियों का बोलबाला था। 2017 से 2023 तक गेंहू क्रय का भुगतान हमने ढाई गुना ज्यादा (तीन हजार 424 करोड़) भुगतान किया। धान के क्रय में 88 हजार करोड़ 746 करोड़ डीबीटी के माध्यम से दिया गया। सरकार ने 32 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को बाढ़ से बचाने का कार्य किया। प्रदेश में निराश्रित गोवंश के लिए 7700 से अधिक गो आश्रय स्थल में 12 लाख 50 हजार से अधिक गोवंश का संरक्षण सरकार स्वयं कर रही है। साथ ही सहभागिता योजना के माध्यम से एक लाख पांच हजार पशुपालकों को एक लाख 63 हजार गोवंश उनकी सुपुर्दगी में दिया गया। इसके लिए सरकार 1500 रु प्रति गोवंश प्रति माह दे रही है। 2017 के पहले कानून व्यवस्था का संकट था। युवा के सामने पहचान का संकट था। महाकुंभ में बेहतर कानून व्यवस्था का उदाहरण दिखा। 45 दिनों के आयोजन में कोई अपराध, लूट, छेड़छाड़, अपहरण कोई भी घटना नहीं हुई। आने वाले श्रद्धालुओं के मन मे कोई असंतोष का भाव नहीं दिखा। सीएम ने कहा कि प्रदेश वही है। आठ वर्ष में सरकार ने पुलिस बल को एक सिस्टम के साथ जोड़ा। 2017 में हमारी सरकार आने पर पुलिस बल में डेढ़ लाख से ज्यादा पद खाली थे। सरकार की नीयत पर जनता और न्यायालय को संदेह था। सरकार ने एक लाख 56 हजार पुलिस कार्मिकों की भर्ती की। साथ ही मौजूदा समय ने 60 हजार 200 से अधिक नए पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की। उन्हें जल्दी ट्रेनिंग मिलेगी। यूपी ने गरीब कल्याण क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। 15 करोड़ प्रदेशवासी मुफ्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। 56 लाख जनमानस को आवास की सुविधा दी गई। एक करोड़ छह लाख महिला वृद्धजनों को पेंशन मिल रही है। डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंचाने में यूपी देश में पहले स्थान पर है। नए वित्त वर्ष में हम जीरो पावर्टी स्कीम लॉन्च करने जा रहे हैं। पहले गड्ढे से प्रदेश की पहचान होती थी। आज आप गूगल करेंगे तो सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे वाले प्रदेश के रूप में यूपी का नाम आता है। यूपी में सबसे ज्यादा मेट्रो का संचालन हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल संचालित हो रही है। 2017 से पहले यूपी डेढ़ एक्सप्रेसवे का राज्य था। लखनऊ में आधी अधूरी मेट्रो थी। आज हम स्टेट डेवलपमेंट रीजन सृजित करने जा हैं। लखनऊ के आसपास स्टेट कैपिटल रीजन सृजित करने जा रहे हैं। ऐसे ही वाराणसी, कानपुर के आसपास काम होने जा रहा है। 1947 से 2017 तक एक लाख 28 हजार 494 मजरों तक बिजली पहुंचाई गई थी। पिछले आठ वर्ष में यह संख्या बढ़कर दो लाख 49 हजार 818 मजरों तक हो गई है। एक लाख 21 हजार मजरों में हमने सिर्फ आठ वर्ष में विद्युतीकरण किया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में 2017 से पहले मात्र 228 मेगावाट की परियोजना क्रियाशील थी। हमने आठ वर्षों में 2653 मेगावाट की सौर ऊर्जा का उत्पादन किया। यूपी निवेश में पूंजी को सुरक्षित रखने वाला राज्य है। आने वाले समय में यूपी निवेशकों में एक ड्रीम डेस्टिनेशन बनने की ओर है। आजादी से 2017 तक सिर्फ 12 मेडिकल कॉलेज थे। आठ वर्षों में 80 मेडिकल कॉलेज बने। इसमें 44 सरकारी व 36 निजी मेडिकल कॉलेज बने। पहले नर्सिंग पैरामेडिकल कॉलेज

डॉ. सुनील चौरसिया 'सावन' और डॉ. नीरजा बसन्ती की पुस्तकों का लोकार्पण

संवाददाता
कुशीनगर।

गांधी विचार मंच, गोरखपुर के द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ जिसमें साहित्यकारों एवं गायकों ने अपनी कविताओं एवं गीतों से समां बांधा। कुशीनगर के डॉ. सुनील चौरसिया 'सावन' के मंच संचालन में उपन्यासकार एवं कवयित्री डॉ. नीरजा बसंती ने मधुर होली गीत 'फागुनी रंगों में रंगी हैं फिजाएं, पर्ण होते पीत टेसू मुस्कुराएं' प्रस्तुत कर तालियां बटोरीं। उन्होंने अपने उपन्यास 'देहरी की आंच' के संदर्भ में विस्तार से बताया। गायिका वीणा के सामूहिक संगीतमय प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लूटी। कवि सावन ने अपने काव्य संग्रह 'हाय री! कुमुदिनी' के संदर्भ में बताया कि इसमें श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय सांख्ययोग का छायानुवाद प्रकाशित है। यह उनका दूसरा काव्य संग्रह है जिसमें शिक्षा, संस्कृति, संगीत, कला, अध्यात्म इत्यादि विषयों पर 51 कविताएं संकलित हैं। उन्होंने अपने काव्य संग्रह से होली में रंग बरसाना है नामक गीत एवं पत्थर का एक टुकड़ा नामक छन्दमुक्त कविता प्रस्तुत कीं। हर वर्ष की भांति गांधी विचार मंच गोरखपुर के बैनर तले पीसी गुप्ता के आवास पर आयोजित होली मिलन के दौरान रसिकों ने एक दूसरे को रंग एवं अबीर लगाकर खुशियां बांटीं। महामंत्री उमेश चौरसिया ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया। तथा युवा कवि डॉ. सुनील चौरसिया 'सावन' एवं डॉ. नीरजा बसन्ती की रचनाओं पर भावपूर्ण प्रकाश डाला। मनोरमा चौरसिया, प्रीति, सुप्रीति, रामकेवल चौरसिया, शैलेंद्र , सन्दीप, वन्दना प्रियंका, अजय चौरसिया, एस एन गुप्ता, विकास चौरसिया, रवि प्रकाश, पिन्टू, दिलीप कुमार चौरसिया, कृष्णा चौरसिया इत्यादि की गरिमामय उपस्थित रही।

पर्यटन सुविधा से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।

नगर के देवरिया मार्ग पर मैत्रेय टूर्स एण्ड ट्रेवल्स संस्था का फीता काटकर उद्घाटन समाजसेवी विवेक कुमार वर्मा ने किया।सोमवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थली और बौद्ध तीर्थ कुशीनगर में प्रति वर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करने। यहां जितनी अधिक सुविधाएं बढ़ेंगी लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सरकार भी सांस्कृतिक और पर्यटन विकास को लेकर कार्य कर रही है। नगर में ट्रेवल के लिए सुविधा मिलने से लोगों को शादी, विवाह या देश, प्रदेश में जाने के लिए आसानी से वाहन उपलब्ध होंगे। संस्था के प्रबंधक राजेंद्र मौर्या ने सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदीप मौर्या, अनिल कुमार पटेल सहित आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की बिंवार पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की बिंवार पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 40/25 धारा 318(4)/338/336(3)/340(2) इठर , धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम , धारा 25(2) उर्वरक नियंत्रण सहित धारा 103/104 ट्रेड मार्क अधिनियम के तहत फरार चल रहे कम्हरया निवासी 30 वर्षीय अभियुक्त निजाम उर्फ निजामुद्दीन पुत्र शमसुद्दीन को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एस आई मनोज कुमार शर्मा, एस आई जतनारायण, कांस्टेबल हरिनन्दन सिंह सहित दीपू सिंह शामिल रहे।

मोरम का अवैध खनन करते सैंतीस ट्रकों के खिलाफ की जुमार्ने की कार्यवाही

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में खनिज विभाग सहित लखनऊ निदेशालय से आयी संयुक्त टीम ने मोरम के अवैध खनन, परिवहन की जांच की। जॉच के दौरान टीम ने मोरम के 37 ट्रक अवैध परिवहन करते हुये पकड़े गये, जिनपर टीम ने ऑनलाइन जुमार्ना किया, जुमार्ने से शासन को करीब उन्नीस लाख का राजस्व हासिल होगा, जबकि सात ट्रकों से करीब तीन लाख की धनराशि जमा करायी गयी है। जनपद में अवैध खनन परिवहन पर जोरदार पकड़ के लिये मोरम खण्ड सहित चेक गेट पर खास नजर रक्खी जा रही है, माइन्स टैग को एटट-11 जनरेंट किए जाने के लिये जरुरी कर दिया गया है। भविष्य में बिना HSRP/Minfetag/Smudged Number Plate अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही की जायेगी, इस बारे में सभी मोरम पट्टाधारको के साथ खान अधिकारी विकास परमार ने बैठक कर कहा कि बिना एम एम 11, सहित ओवरलोड ट्रकों का किसी भी हालत में परिवहन न किया जाय। वरना मोरम की ओवरलोडिंग के साथ ही मोरम के अवैध परिवहन करने वाले ट्रकों के साथ ही मोरम पट्टाधारको के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जायेगी।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने बारह बोर की दो नाली अवैध बंदूक के साथ फरार चल रहे दो अभियुक्तों को का किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 43/2025 धारा 352/351(2)/109 बीएनएस के तहत दो फरार थाना क्षेत्र के वीरा निवासी अभियुक्त परमेश्वरी दयाल पुत्र अज्ञात, रविकरन पुत्र परमेश्वरी दयाल को 01 DBBL बंदूक 12 बोर, दो कारतूसों सहित चार जिन्दा कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई बीरेन्द्र प्रसाद, एस आई उमाशंकर, कांस्टेबल आशीष रजक कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार सहित होमगार्ड रामबाबू शामिल रहे।

कुश्ती भारत की प्राचीन विद्या है : ओमप्रकाश जायसवाल

स्व.सुदामा सिंह की स्मृति में राष्ट्रीय एकता विराट कुश्ती दंगल आयोजित

संवाददाता
कुशीनगर। जनपद के लक्ष्मी गंज में स्व.सुदामा सिंह की स्मृति में राष्ट्रीय एकता विराट कुश्ती दंगल में पहलवानों ने कुश्ती कला का बेजोड़ प्रदर्शन किया। रविवार को आयोजित कुश्ती में अखाड़े का पूजन किया गया। कुश्ती का प्रारंभ समाजसेवी ओमप्रकाश जायसवाल ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर कराया। श्री जायसवाल ने कहा कि कुश्ती भारत की प्राचीन विधा है। ऐसे आयोजन से पहलवानों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फलक पर चमकने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर आयोजक धनंजय सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

संचालन पहलवान पवन कुमार उपाध्याय ने किया। इस दौरान सदाशिव मणि त्रिपाठी, रविंद्र विश्वकर्मा, गुड्डू सिंह, शालिक राय सहित सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे। दिल्ली, गोरखपुर, हरियाणा, वाराणसी, इलाहाबाद के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। लड़कियों का भी कुश्ती रोमांचक रहा।

कसया विद्युत उपकेंद्र से जुड़ा भुजौली फीटर को अहिरौली राजा में स्थापित करने की मांग

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।

कसया उपकेंद्र से जुड़ा भरौली फीडर के उपभोक्ताओं ने आ रही विद्युत समस्या को लेकर अहिरौली राजा में एक अलग फीडर की स्थापना की मांग को लेकर सोमवार को कुशीनगर विधायक पीएन पाठक को मांग पत्र सौंपा और क्षेत्र में फीडर स्थापित करने की मांग की। ग्राम प्रधान डिंपल पांडेय व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों ने एक पत्र सौंपा और अहिरौली राजा के आसपास भुजौली फीटर की स्थापना की मांग की है। जिस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही ऊर्जा मंत्री के समक्ष आप लोगों की मांग को रखा जाएगा। भुजौली फीडर कसया विद्युत केंद्र से जुड़ा है, भुजौली फीडर से लगभग तीन दर्जन से अधिक ग्राम सभाओं को विद्युत सप्लाई दी जाती है और लगभग कसया विद्युत उपकेंद्र से जुड़ा भुजौली फीटर के सभी गांवों की दूरी लगभग बीस किलोमीटर पड़ता है। जिससे हमेशा विद्युत सप्लाई की व्यवस्था चरमराई रहती है। उपभोक्ताओं को विधुत समस्या को लेकर परेशानी होती है। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि हम लखनऊ पहुंचते ही ऊर्जा मंत्री से मिलकर आप लोगों की समस्या रखा जायेगा और अहिरौली राजा में फीडर की स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान पिंटू तिवारी, ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, राधेश्याम गोंड, सतेन्द्र सिंह, मनोज मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, एकलाख अहमद, धीरज राव, मण्डल अध्यक्ष राजेश राव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, प्रशांत किशोर यादव मौजूद रहे

हस्तशिल्प उत्पादों की खरीदारी हेतु उमड़ रही भीड़

संवाददाता
कुशीनगर। शुक्ला मैरिज हाल पडरौना में चल रही 10 दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी के चौथे दिन सोमवार को क्रोशिया, ग्लास विड क्राफ्ट, टेराकोटा समेत अन्य उत्पादों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। प्रदर्शनी में हस्तशिल्प उत्पादों को स्टालों पर खूबसूरत ढंग से सजाया गया था। प्रदर्शनी की देखरेख कर रहे निदेशक देश दीपक दूबे ने बताया कि लगे 20 स्टालों पर उत्पादों की बिक्री हुई है। इससे हस्तशिल्पकारों व उनके उत्पादों को प्रचारित करने का भी बेहतर अवसर मिला है। लकड़ी से बने उत्पादों की प्रदर्शनी में अधिक डिमांड रही है। यहां बिक्री के लिए लगे उत्पादों ने ग्राहकों को जमकर लुभाया है।

टीबी के खिलाफ जंग सभी बने भागीदार-डॉ अजय शुक्ला

संवाददाता
कुशीनगर। विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर जिलाक्षयरोग केंद्र पर सोमवार को आईएमए,प्रवासी मदद फाउंडेशन एवं ऐशप्रा ज्वेलर्स द्वारा 40 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व सचिव अजय शुक्ला ने कहा कि आज हम सभी को टीबी के खिलाफ जंग में सभी को भागीदार के लिये संकल्प लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि टीबी रोगियों के बेहतरी के लिये सरकार लगातार प्रयास कर रही है तथा आईएमए द्वारा भी लगातार मरीजों के पोषण की व्यवस्था कराई जा रही है। प्रवासी मदद फाउंडेशन के सदस्य सन्दीप मिश्र ने कहा कि टीबी रोगियों को पोषण की पोटली देना पुनीत का कार्य है। जो पोटली हम लोग देते उसे खाकर टीबी रोगी शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। उनके द्वारा सम्भ्रांत लोगों से अपील किया गया कि टीबी रोगियों को गोद लेकर उसके पोषण की व्यवस्था करें। कार्यक्रम का संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। आगन्तुकों का स्वागत एसटीएलएस विशाल जयसवाल ने किया तथा आभार एसटीएस विवेक यादव ने किया। इस दौरान डीपीसी अनुपम मिश्र, पीपीएम नितेश राय, लेखाकार कमलशंकर पांडेय, एसटीएस सन्दीप मौर्या, डीईओ अरमान अहमद, राकेश सिंह, उमंग खेतान, प्रवासी फाउंडेशन के अविनाश कुमार पिंटू, गौरव मिश्र,अंगद कुशवाहा, राजा, विद्या आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश की दशा और दिशा को बदलने में ऐतिहासिक निर्णयों की महत्वपूर्ण भूमिका

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में अब तक कई ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिन्होंने राज्य की दशा और दिशा को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लव जिहाद के खिलाफ कानून हो या फिर नकल और पेपर लीक पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून, महिलाओं के सम्मान और स्वावलंबन को सुनिश्चित करने के लिए मिशन शक्ति की पहल हो या फिर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का निर्णय इन सभी के दीर्घ प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। इन निर्णयों ने यह भी साबित किया कि उत्तर प्रदेश में वो सरकार काबिज है, जिसके पास नीयत भी है और नीतियां भी।

सीएम योगी की पहल पर नवंबर 2020 में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू हुआ। इस कानून के तहत जबरन या छल से धर्म परिवर्तन करवाने पर 10 साल तक की सजा और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया। पहले साल में ही 100 से अधिक मामले दर्ज किए गए। यह कानून महिलाओं की सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर बहस छेड़ दी।

अक्टूबर 2020 में शुरू हुआ मिशन शक्ति अभियान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर केंद्रित है। इसके तहत एंटी-रोमियो स्क्वाड ने छेड़छाड़ के 32 हजार से अधिक मामलों में कार्रवाई की। कन्या सुमंगला योजना के तहत 22 लाख से ज्यादा बेटियों को आर्थिक मदद दी गई। 112 और 181 जैसी हेल्पलाइन ने आपात स्थिति में सहायता प्रदान की।

किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने विगत वर्ष उत्तर प्रदेश के निजी नलकूप उपभोक्ताओं को एक अप्रैल 2024 से बिजली बिल में 100 प्रतिशत छूट का लाभ देने का निर्णय लिया। इस निर्णय को पावर कॉर्पोरेशन ने विधिवत लागू किया। सिंचाई सुविधा के लिए 4 लाख से ज्यादा निजी नलकूपों का संयोजन किया गया। किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए 3 हजार से अधिक ग्रामीण फीडर अलग किए गए। निजी नलकूप कनेक्शन देने में डार्क जोन में लगे प्रतिबंध हटाने से लाखों किसान लाभान्वित हुए।

ऐतिहासिक निर्णयों की कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार ने नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) की तर्ज पर बुंदेलखण्ड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) के गठन की अधिसूचना को भी 2023 में मंजूरी दे दी। उत्तर प्रदेश में इससे पहले 1976 में नोएडा नाम से एक नए शहर के गठन का निर्णय लिया गया था। 47 वर्षों के बाद एक और नए नगर की स्थापना का फैसला किया गया। झांसी जिले के 33 गांवों को शामिल करके बीडा का गठन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक निर्णय से बुन्देलखण्ड के बहुआयामी विकास को रफ्तार मिलेगी।

चैत्र नवरात्र मेले को लेकर महासर शक्तिपीठ में कोने-कोने से जुटेंगे श्रद्धालु

30 मार्च से 6 अप्रैल तक आयोजित मेले में हरियाणा के अलावा अन्य प्रातों से पंहुचेगें श्रद्धालु

सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए अभी से किए जा रहे प्रबंध

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली मार्ग स्थित गांव महासर में दुर्गा माता शक्तिपीठ 'महेश्वरी' मंदिर में आगामी 30 मार्च से शुरू होने वाले चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। इस मेले में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के अलावा यहां पर कलकत्ता, मुंबई, दिल्ली, उतराखंड, राजस्थान, पंजाब से श्रद्धालु पंहुचते हैं। मंदिर के व्यवस्थापक रतनलाल शर्मा व सुंदरलाल शर्मा ने बताया कि धाम में नवरात्रों से पूर्व श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। उन्होंने बताया कि सप्तमी के मौके पर आगामी 3-4 अप्रैल को मुख्य मेला आयोजित होगा, इस दौरान मंदिर 24 घंटे खुला रहेगा तथा 6 अप्रैल को रामनवमी पर्व मनाया जाएगा। दुर्गा माता महेश्वरी की कुलदेवी के रूप में पूजा अर्चना की जाती है।

श्रधालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के व्यवस्थापक एवं कमेटी के सदस्य मेले की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान पुजारी द्वारा मंदिर में वर्षभर अखंड भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरण का कार्य प्रतिदिन होता है। मेले में दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बिजली-पेयजल सहित ठहराने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई हैं। माता मंदिर प्रांगण में 30 मार्च से नवरात्र मेला प्रारंभ होगा।

मेले के दौरान यहां पर नवजात शिशु का मुंडन संस्कार तथा नवविवाहित जोड़े की पूजा-अर्चना का विधान है। मेले के दौरान भंडारा भी लगेगा जिसमें श्रद्धालुओं को शुद्ध घी से निर्मित प्रसाद वितरित किया जाएगा। मेले को लेकर मंदिर में साफ-सफाई एवं रेलिंग लगाने सहित तमाम व्यवस्था की जा रही है। प्रशासन की ओर से ड्यूटी मैजिस्टेट की नियुक्ति सहित सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएगें। मंदिर प्रांगण सहित गर्भगृह में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं वहीं अस्थाई पुलिस चैकी तथा चिकित्सकों की टीम भी अलर्ट मोड पर रहेगी। रेल प्रशासन की ओर से नवरात्रों में माता मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए 30 मार्च से दो जोडी एक्सप्रैस ट्रेनों का कनीना खास व अटेली रेलवे स्टेशन में 2 मिनट के लिए ठहराव किया जायेगा। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं से मंदिर के साथ लगते स्वच्छ जल के जलाशय को दूषित ना करने का आहृवान किया हैं। इस अवसर पर महेश शर्मा, मुकेश शर्मा, सुरेश शर्मा, संजय शास्त्री, उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार की 15 मार्च से खरीद की घोषणा के दस दिन बाद कनीना मंडी में पंहुची सरसों

मंगलवार को कनीना की नयी मंडी में 32 किसानों से 625 क्विंटल सरसों की हुई आवक

प्रारंभ में एनसीसीएफ के माध्यम से स्टेट वेयर हाउस द्वारा नैफेड के लिए की जाएगी खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा प्रदेश की मंडियों में किसान का पीला सोना समझी जाने वाली सरसों फसल की कटाई का कार्य तेजी से जारी हैं वहीं भंडारण शुरू होने के बाद सरकारी खरीद भी शुरू हो गई है। मंगलवार को कनीना मंडी में 32 किसानों की 625 क्विंटल सरसों पंहुची। जिनके मार्केट कमेटी की ओर से गेट पास जारी किए गए। प्रदेश सरकार की ओर से सरसों की खरीद 15 मार्च से शुरू करने की घोषणा की गई थी लेकिन मंडियों में सरसों नहीं पंहुचने के कारण खरीद शुरू नहीं हो सकी थी। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने किसानों से कहा कि मंडी में साफ-सुथरी तथा सुखाकर सरसों लेकर आएं। सरसों साफ नहीं होने तथा 8 फीसदी से अधिक नमी होने की स्थिति में सरसों की खरीद नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नकली एवं मिलावटी सरसों पाए जाने पर पुलिस केस दर्ज कराया जाएगा। प्रारंभिक दौर में सरसों की खरीद नैफेड के लिए एनसीसीएफ,नैशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन के माध्यम से स्टेट वेयर हाउस द्वारा की जायेगी। उनके प्रबंधक दीपक दुबे मंडी में पंहुच चुके हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी गेट पर दो धर्मकांटे संचालित किए गए हैं,जिनका निरीक्षण मापतौल विभाग द्वारा करने के बाद प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा मंडी में साफ-सफाई, बिजली-पेयजल, टॉयलेट की सुंदर व्यवस्था की गई है। सरसों खरीद होने के बाद खरीद एजेंसी द्वारा 72 घंटे में किसानों के खाते में राशि डाली जाएगी। उन्होंने बताया कि सरसों खरीद के लिए प्रदेश में 108 मंडिया निर्धारित की गई हैं। जहां एमएसपी 5950 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीद की जा रही है।

कृषि विभाग के एसडीओ डॉ अजय कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'किसान हितों को ध्यान में रखते हुए सरसों की फसल को एमएसपी पर खरीद का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए मंडियों में सुविधाएं बढाने की दिशा में कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि रबी फसल सीजन 2024-25 के दौरान लगभग 21.08 लाख एकड क्षेत्र में सरसों की फसल उगाई गई है। जिसमें 'अनुमानित 15.59 लाख मीट्रिक टन के बंपर उत्पादन होने की संभावना है। सरसों का एमएसपी 5950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। सरसों खरीद करने के बाद जिसका सीधा भुगतान किसानों को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कनीना ब्लॉक में करीब 34 हजार हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि में से 19500 हैक्टेयर भूमि पर सरसों तथा 9500 हैक्टेयर भेमि पर गेहूं की फसल बिजाई की गई थी। सरसों फसल की 40-45 फीसदी कटाई हो चुकी है जबकि गेहूं की कटाई शुरू नहीं की गई है। सरसों की बंपर पैदावार की उम्मीद है। कनीना की नयी आनाज मंडी चेलावास में स्टेट वेयर हाउस की ओर से सरसों की खरीद शुरू की गई है।

एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि सरसों मंडी में सरसों की आवक शुरू हो गई है। एमएसपी पर उन्हीं किसानों की सरसों खरीदी जाएगी जिन्होंने पोर्टल पर पंजीकरण करवाया हुआ है। किसान निर्धारित मापदंडो के मुताबिक मंडी में सरसों लेकर आएं तो उन्हें व खरीद एजेंसी को परेशानी पेश नहीं आने दी आएगी।

हिसार में हुआ दावत-ए-इफ्तार का आयोजन, भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन रहे मुख्य अतिथि

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मंगलवार को हिसार में आई टी आई चौक, मदीना मस्जिद में अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पीर बख्श व मुस्लिम समाज द्वारा दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हरियाणा वक्फ़ बोर्ड के प्रशासक चौधरी ज़ाकिर हुसैन रहे। दावत-ए-इफ्तार में काफी संख्या में सभी धर्म-मज़हब के लोगों ने हिस्सा लेकर हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई सर्व धर्म के आपसी भाईचारे व अमन-चैन का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रमुख उलेमाओं, मौलानाओं व लोगों ने देश-प्रदेश में अमन-चैन व भाईचारे तथा उन्नति के लिए दुआएँ माँगी। दावत-ए-इफ्तार में पंहुचनें पर चौधरी ज़ाकिर हुसैन का प्रमुख लोगों ने फूलमालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया।

चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि मुस्लिम समाज द्वारा इस भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन कर एक सराहनीय कदम है। दावत-ए-इफ्तार से आपसी सौहार्द और भाईचारा बढता है। आज दावत-ए-इफ्तार में सभी मज़हबों के लोगों ने भारी संख्या में हिस्सा लेकर आपसी भाईचारे व प्रेम की मिसाल कायम की है। हमें ज्यादा से ज्यादा दावत-ए-इफ्तारों में हिस्सा लेना चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा बढे। उन्होंने कहा कि गरीब, मजलूम, जरूरतमंद व बेसहाराओं की ज्यादा से ज्यादा मदद करें, ये सबसे बड़ा कार्य है। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना बरकतों, रहमतों व ईबादतों का महीना है। इस पाक महीने में हमें मजलूमों, बेसहारा और जरूरतमंदों की ज्यादा से ज्यादा मदद करनी चाहिए। रोजा पूरे दिन भूखा और प्यासा रहकर जरूरतमंद लोगों की मदद करने का नाम है। दावत-ए-इफ्तार से हिंदू-मुस्लिम सिख-ईसाई सभी मज़हबों में एकता व आपसी भाईचारा पैदा होता है। इस दावत-ए-इफ्तार में सभी मज़हबों के लोगों ने हिस्सा लेकर हमारे देश की गंगा जमुना तहजीब की मिसाल दी है, इसके लिए वे सभी शहरवासियों को मुबारक़बाद देते हैं।

ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने प्रदेश का समान विकास किया है तथा उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पूरे प्रदेश को विकास की नई ऊंचाईयों पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से युवा भाजपा नेता संजीव गंगवा, तनवीर, मुन्ना, इदरीश, ईमाम युसुफ, ईमाम साहब लाहोरिया चौक जामा मस्जिद, जब्बार आदि के अलावा काफी संख्या में गणमान्य मौजूद रहे।

एनएच 152डी के पुलिया की सडक टूटी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-दादरी सडक मार्ग पर धनौंदा-खेडी के बीच से गुजर रहे नैशनल हाईवे 152डी के पुलिया की सडक टूटी होने से सडक हादसों को बढावा मिल रहा है। टूटी सडक वाला हिस्सा नैशनल हाइवे अथोरिटी ऑफ इंडिया की परिधि में है जिसके चलते लोकनिर्माण विभाग सडक को दुरूस्त करने में असमर्थ है। हालांकि इस मार्ग को स्टेट हाइवे का दर्जा दिया जा चुका है। दिनभर यहां से छेटे-बडे हजारों वाहन गुजरते हैं। सडक मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण जिगजेग वाले पुलिया के स्थान पर वाहन धमी गति से गुजर रहे हैं। वाहन चालक वेदपाल दहिया, मोती कुमार लाटा, शिवकुमार, रमेश चंद, विनोद कुमार ने बताया कि इस स्थान पर बारिश का पानी जमा होता है। जिसके चलते सडक मार्ग खंडित होता है। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों से टूटी सडक को दुरूस्त करने की मांग की है।

सेवा भारती के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री से कनीना के अस्पताल को अपग्रेड करने की मांग की

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। सेवा भारती शाखा कनीना के पदाधिकारियों ने मंगलवार को चंडीगढ में प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से मुलाकात कर उप नागरिक अस्पताल कनीना को एफआरयू का दर्जा देने तथा अपग्रेड कर 100 बैड स्थापित करने की मांग की। कोसली के विधायक अनिल यादव की उपस्थिति में स्वास्थ्य मंत्री ने उनकी मांग को सहानुभूतिपूर्वक सुना ओर जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में छह अस्पताल एफआरयू के लिए प्रस्तावित हैं जिनमें कनीना भी शामिल है। इस मौके पर सुरेश शर्मा, योगेश अग्रवाल, जगदीश गुप्ता उपस्थित थे।

युवा इनेलो नेता चौ. ताहिर हुसैन बने नूँह के इनेलो जिलाध्यक्ष

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मंगलवार को इनेलो ने पार्टी में राष्ट्रीय, राज्य व जिले स्तर पर बड़े बदलाव किए हैं। पूर्व प्रतिपक्ष नेता रहे चौधरी अभय सिंह चौटाला को राष्ट्रीय अध्यक्ष चूना गया है। नूँह जिले की कमान युवा इनेलो नेता व नूँह से प्रत्याशी रहे चौधरी ताहिर हुसैन के हाथों में दी गई है। यह स्पष्ट है कि उनके जिलाध्यक्ष बनने से इनेलो को मेवात क्षेत्र में बड़ी मजबूती मिलेगी। ताहिर हुसैन युवा नेता हैं। मेवात के युवाओं में अपनी अलग ही पहचान रखते हैं। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष ताहिर हुसैन ने जिलाध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी मिलने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौश अभय सिंह चौटाला व पार्टी शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद व आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस अहम जिम्मेदारी को बड़ी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभाने की पूरी कोशिश करूँगा। किसान-मजदूर, मजलूम, युवाओं व कमेरे वर्ग के हितों के लिए और उनको उनका हक दिलाने के लिए लगातार प्रयत्नशील रहेंगे।

अवैध खनन जैसी गतिविधियों को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त : उपायुक्त

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में अवैध खनन जैसी गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग निरंतर मॉनीटरिंग करें और जो भी व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। उपायुक्त मंगलवार को उपमंडल फिरोजपुर झिरका के गांव रवां स्थित अरावली पहाड़ पर अवैध खनन संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन संबंधी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के लिए खनन, इंफोर्समेंट ब्यूरो व वन विभाग के अधिकारियों को सख्त आदेश दिए गए हैं कि अगर कहीं पर भी उनके संज्ञान में अवैध खनन संबंधी मामलों का पता चलता है तो वे तुरंत उनके खिलाफ त्वरित कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि सभी संभावित रास्तों, सड़क मार्गों पर भी वाहनों की चेकिंग की जाए। इसके लिए स्थानीय निवासियों का भी सहयोग लिया जा सकता है। पुलिस द्वारा भी इन स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उपायुक्त के निरीक्षण दौरे के दौरान हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, इंफोर्समेंट ब्यूरो, वन व खनन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने गत दिनों राजस्थान सीमा में गिराए गए पहाड़ के मौके का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि गांव रवां के पास राजस्थान की सीमा से लगते अरावली पहाड़ के क्षेत्र में अवैध खनन की गतिविधियों की शिकायतें मिल रही हैं। इस क्षेत्र में अवैध खनन संबंधी गतिविधियों के लिए हरसेक से सर्वे करवाया जा रहा है, जिसकी तथ्यात्मक रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी। सरकार के निर्देशानुसार ही आगे की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर एसडीएम फिरोजपुर झिरका लक्ष्मीनारायण, डीएसपी अजायब सिंह, खनन विभाग के अधिकारी अनिल सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

ध्यानार्थः

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है :गवर्नर

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अफगान सरकार के समक्ष कई बार चिंता जताई गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। यहां गवर्नर हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने अफगान प्रशासन को बार-बार सूचित किया है कि अमेरिका द्वारा छोड़े गए हथियार अब उग्रवादियों के हाथों में हैं। कुंडी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दोनों देशों के अधिकारियों ने आतंकवाद, पारगमन व्यापार, शरणार्थियों और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों से निपटने के तरीकों पर मतभेदों के कारण तनावपूर्ण हुए संबंधों को सुधारने के लिए काबुल में वार्ता की। कुंडी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने अफगानिस्तान का दौरा किया था, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में उतरे बलूच प्रदर्शनकारी, समिति ने निकाली विरोध रैली

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान के लासबेला में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने और आंसू गैस के गोले दागने पर बलूच मानवाधिकार समूह बलूच यकजेहती समिति ने विरोध में रैली निकाली। एक्स पर समिति ने कहा कि रैली में बलूच लोगों का उत्पीड़न समेत कई मुद्दे उठाए। सुबह बलूच सॉलिडेरिटी कमेटी ने धरना प्रदर्शन के खिलाफ और गिरफ्तार लोगों की बरामदगी के लिए विरोध रैली निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। साथ ही लापता लोगों के रिश्तेदार भी रैली में शामिल हुए।एक अन्य एक्स पोस्ट में बलूच यकजेहती समिति ने कहा था कि वह महरंग बलूच, बेबिगर बलूच और बेबो बलूच के गायब होने और गिरफ्तारी के खिलाफ 24 मार्च को धरना देगी। जब तक कार्यकर्ताओं को सुरक्षित रूप से बरामद नहीं किया जाता। तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे। क्योंकि चुप रहना उत्पीड़न सहना होता है। महरंग बलूच की गिरफ्तारी की संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत मैरी लॉलर ने निंदा की। उन्होंने कहा कि बलूच यकजेहती समिति के प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किए जाने से चिंतित हूं। इससे पहले पाकिस्तान में मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलोच को क्वेटा पुलिस-प्रशासन ने शनिवार को उस वक्त गिरफ्तार कर लिया जब वह अपने समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन में हिस्सा ले रही थीं। माना जा रहा है कि बलूच यकजेहती समितियों (बीवाईसी) द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रांत में तनावपूर्ण स्थिति है।

अवैध तरीके से पाकिस्तान में दाखिल होने वाले 53 अफगान बच्चों को वापस भेजा गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान से अवैध तरीके से पाकिस्तान में दाखिल होने वाले 53 बच्चों को वापस भेज दिया गया है। रविवार को अथॉरिटीज ने बताया कि ये बच्चों बॉर्डर की तारें काटकर पाकिस्तान में घुसे थे।वो यहां काम की तलाश में आए थे। तोरखम बॉर्डर पर तैनात अधिकारियों ने इन बच्चों को वापस भेजने में मदद की। इन अधिकारियों ने बताया कि अफगानिस्तान के बच्चों की पाकिस्तान आने की कोशिशें रोज बढ़ती जा रही हैं। ऐसी करीब 700 कोशिशें रोजाना होती हैं।

आतंक से लड़ने की तैयारी, भारतीय सेना ने किर्गिस्तान के साथ किया अभ्यास

टोकमोक , एजेंसी। भारत-किर्गिस्तान जॉइंट स्पेशल फोर्सिस ने एक्सरसाइज खंजर-12 का 12वां संस्करण रविवार को टोकमोक में संपन्न हुआ, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है. 10 मार्च को शुरू हुए इस अभ्यास में भारत की पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्स) और किर्गिस्तान की स्कॉर्पियन ब्रिगेड के बेहतरीन सैनिकों ने एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एक साथ हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन, उच्च ऊंचाई पर युद्ध क्षमताओं और आतंकवाद विरोधी रणनीति को बढ़ाना था. इसका अभियास का मकसद आपसी तालमेल बढ़ाना, ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के कौशल को सुधारना और आतंकवाद के खिलाफ रणनीतियों को मजबूत करना था. इस दौरान दोनों सेनाओं ने स्नाइपिंग, इमारतों में घुसकर ऑपरेशन करने, पर्वतीय युद्धकला और आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन का अभ्यास किया. इस मौके पर भारत और किर्गिस्तान के रक्षा अधिकारियों और अन्य मित्र देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे. अभ्यास के बाद एक समीक्षा बैठक हुई है, जिसमें दोनों देशों के सैनिकों ने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की. 'खंजर-12' युद्धाभ्यास भारत और किर्गिस्तान के बीच मजबूत रक्षा संबंध और क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दिखाती है. खंजर-12 का मुख्य आकर्षण किर्गिज़ संस्कृति में एक खास त्योहार नौरोज़ रहा. इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सैनिकों के बीच सौहार्द को बढ़ावा दिया गया।

पोप फ्रांसिस 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल से डिस्चार्ज

अस्पताल की बालकनी से समर्थकों को थैंक्यू कहा, फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से एडमिट थे

वेटिकन, एजेंसी। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को रविवार को 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने हॉस्पिटल की बालकनी से समर्थकों को धन्यवाद कहा। 88 साल के पोप को फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था। इलाज के दौरान दो बार पोप को जान का खतरा था हॉस्पिटल से निकलने के बाद पोप वेटिकन सिटी में स्थित कासा सांता मार्टा के अपने घर वापस लौटेंगे। शनिवार को उनकी मेडिकल टीम के प्रमुख ने कहा कि फ्रांसिस को वेटिकन लौटने के बाद दो महीने और आराम की जरूरत होगी। शनिवार को पोप के डॉक्टरों ने कहा कि इलाज के दौरान दो मौकों पर उनकी जान जाने का खतरा था, लेकिन फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। पोप को फिर बोलना सीखना पड़ेगा वेटिकन के कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज ने शुक्रवार को बताया था कि पोप फ्रांसिस धीरे-धीरे अपनी ताकत हासिल कर रहे हैं, लेकिन लंबे वक्त तक हाई फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी की वजह से उन्हें फिर बोलना सीखना पड़ेगा। हाई फ्लो ऑक्सीजन की वजह से कई बार इंसान का मुंह और गला सूख जाता है, जिससे बोलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा हाई फ्लो ऑक्सीजन से सांस लेने में दिक्कत या सीने में दर्द जैसी समस्या हो सकती है। वेटिकन के मुताबिक इलाज के दौरान भी पोप हॉस्पिटल से काम कर रहे थे। इससे पहले भी पोप फ्रांसिस को 2021 में डायवर्टीकुलिटिस और 2023 में हर्निया की सर्जरी की वजह से हॉस्पिटल जाना पड़ा था। 1000 साल में पोप बनने वाले पहले गैर-यूरोपीय पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है। वे सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) के सदस्य बनने वाले और अमेरिकी महाद्वीप से आने वाले पहले पोप थे। उन्होंने ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की थी। साल 1998 में वे ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप बने थे। साल 2001 में पोप जॉन पॉल सेकेंड ने उन्हें कार्डिनल बनाया था। पोप फ्रांसिस के बड़े फैसले समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने परः पद संभालने के 4 महीने बाद ही पोप से समलैंगिकता के मुद्दे पर सवाल किया था। इस पर उन्होंने कहा, 'अगर कोई समलैंगिक व्यक्ति ईश्वर की खोज कर रहा है, तो मैं उसे जज करने वाला कौन होता हूं।' पुनर्विवाह को धामिक मंजूरीः पोप ने दोबारा शादी करने वाले तलाकशुदा कैथोलिक लोगों को धार्मिक मान्यता दी। उन्होंने सामाजिक बहिष्कार को खत्म करने के लिए ऐसे लोगों को कम्यूनियन हासिल करने का अधिकार दिया। कम्यूनियन एक प्रथा है जिसमें यीशु के अंतिम भोज को याद करने के लिए ब्रेड/पवित्र रोटी और वाइन/अंगूर के रस का सेवन किया जाता है। इसे प्रभु भोज या यूकरिस्ट के नाम से भी जाना जाता है। बच्चों के यौन शोषण पर माफी मांगीः पोप फ्रांसिस ने अप्रैल 2014 में पहली बार चर्चों में बच्चों के साथ होने वाले यौन शोषण की बात स्वीकार की और सार्वजनिक माफी भी मांगी। चर्च के पादरियों की तरफ से किए गए इस अपराध को उन्होंने नैतिक मूल्यों की गिरावट कहा था। इससे पहले तक किसी पोप की तरफ से इस मामले पर प्रतिक्रिया नहीं देने की वजह से वेटिकन की आलोचना की जाती थी। पिछले साल 27 सितंबर को बेल्जियम की यात्रा के दौरान बच्चों के यौन शोषण पर कैथोलिक चर्चों से माफी मांगने के लिए कहा। उन्होंने ब्रुसेल्स में पादरियों से यौन उत्पीड़न के शिकार 15 लोगों से मुलाकात भी की।

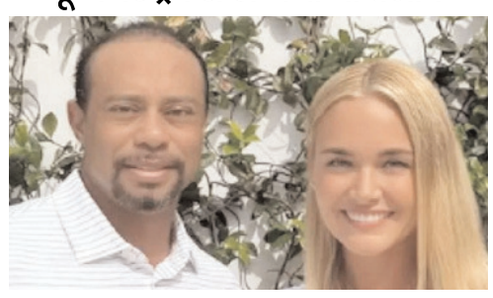

अमेरिकी राष्ट्रपति के 5 पोते-पोतियों की मां को मिला नया जीवनसाथी, जूनियर ट्रंप से हो गया था तलाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स ने डोनाल्ड ट्रंप की बहू रह चुकीं वैनेसा ट्रंप के साथ अपने रिश्ते सार्वजनिक कर दिए हैं. उन्होंने पुष्टि की है कि वह वैनेसा ट्रंप के साथ रिश्ते में हैं. वुड्स ने अपने 6.4 मिलियन फॉलोअर्स को एक्स पर लिखा, 'प्यार में डूबा हुआ हूं और आपके साथ जीवन बेहतर है. हम जीवन भर साथ-साथ चलने के लिए उत्सुक हैं. इस समय हम अपने दिल के करीब रहने वाले सभी लोगों की प्राइवेसी की सराहना करते हैं.' वैनेसा की शादी साल 2005 में डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से हुई थी और ये 2018 तक चली. वैनेसा और जूनियर ट्रंप के पांच बच्चे हैं, जिनमें 17 साल काई भी शामिल है. काई को 2026 में मियामी यूनिवर्सिटी में गोल्फ खेलेंगे. काई भी वुड्स के बच्चों सैम और चार्ली के साथ उसी स्कूल में पढ़ते हैं. काई और चार्ली ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक इंविटेशनल टूर्नामेंट में भाग लिया था. सैम और चार्ली दोनों वुड्स और एलिन नॉर्डग्रेन के बेटे हैं. वुड्स का एलिन से 2010 में तलाक हो गया था क्योंकि कपल के कई विवाहेतर संबंधों का खुलासा हुआ था. पिछले कई हफ्तों से वुड्स और वैनेसा ट्रंप की के बीच रिलेशनशिप चर्चा का विषय बनी हुई थी. हालांकि वुड्स अपनी निजी जिंदगी को बेहद प्राइवेट रखते हैं, लेकिन आखिर उन्हें सार्वजनिक करनी पड़ी है. इसी तरह उन्होंने 2013 में भी लिंडसे वॉन के साथ रिलेशनशिप की सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. वुड्स ने उस समय कहा था कि वह और वॉन ÷स्टॉकराजी' और उन सभी घटिया वेबसाइटों के कयासों को खत्म करना चाहते है जो उन्हें लगातार फॉलो कर रही हैं. इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया था।

रूस के हमले से दहला यूक्रेन, युद्धविराम पर बातचीत के बीच पुतिन ने भेजे 147 ड्रोन, 7 की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में रविवार रात को रूस के ड्रोन हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने यह जानकारी दी. यूक्रेन की राजधानी कीव पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब सऊदी अरब में दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत होने की संभावना है. अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच सोमवार को अप्रत्यक्ष वार्ता हो सकती है, जिसमें ऊर्जा सुविधाओं और नागरिकों से संबंधित बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जाने वाले लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हमलों पर रोक लगाने के संबंध में चर्चा की जाएगी. यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत से एक दिन पहले यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में अमेरिका के अधिकारियों से मिल सकता है. उन्होंने कहा कि यूक्रेन आंशिक युद्धविराम के विवरण पर चर्चा करने के लिए तकनीकी टीम भेजने की योजना बना रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब में होने वाली बातचीत में कुछ वास्तविक प्रगति हो सकती है. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने यूक्रेन में 147 ड्रोन दागे. इसने बताया कि 97 ड्रोन को मार गिराया गया और यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई के चलते 25 ड्रोन अपने लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पाए।

कनाडा में 28 अप्रैल को होंगे आम चुनाव:पीएम बोले- ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहिए

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश में 28 अप्रैल को आम चुनाव की घोषणा की। उन्होंने रविवार को कहा कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहते हैं। कनाडाई पीएम ने कहा- अमेरिका के साथ टैरिफ वॉर हमारे लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। वो हमें तोड़ना चाहते हैं ताकि अमेरिका हमारा मालिक बन जाए, हम ऐसा नहीं होने देंगे। कार्नी ने कहा कि कनाडा को सुरक्षित करने के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने टैरिफ वॉर से परेशान किसानों और व्यवसायों को मदद देने की योजनाओं के बारे में भी बयान दिया। मार्क कार्नी ने 10 दिन पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने 9 फरवरी को लिबरल पार्टी के नेता का चुनाव जीता था। कार्नी को 85.9प्रतिशत वोट मिले थे।

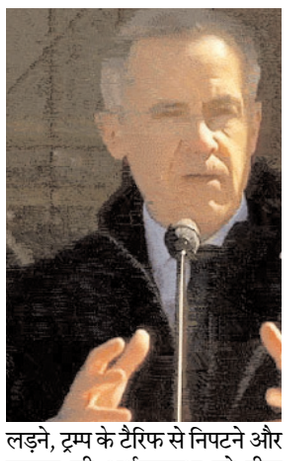

ट्रम्प के टैरिफ से निपटने के लिए एक्शन लेने की जरूरत कार्नी ने बताया कि उन्होंने क्करूपद की शपथ लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ नए राष्ट्रीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों को मजबूत करने का काम किया, यूरोपीय यूनियन के साथ नए व्यापार समझौते पर चर्चा शुरू की। कनाडाई पीएम ने कहा कि आज युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन फिर भी उन्हें किराया देने और अपने बच्चों के लिए बचत करने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि अमेरिकियों से

लड़ने, ट्रम्प के टैरिफ से निपटने और कनाडा की अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए हमारे देश को एक्शन लेने की जरूरत है। कार्नी ने कहा कि वो महिलाओं के अबॉर्शन अधिकार का समर्थन करते हैं, जैसा कि उनकी लिबरल पार्टी भी करती है। ट्रम्प विरोधी भावना से लिबरल पार्टी को फायदा इस महीने की शुरुआत में जारी चुनावी सर्वे में लिबरल पार्टी को विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी से ज्यादा लोकप्रियता मिली थी। इप्सोस के सर्वे में लिबरल को 38प्रतिशत और कंजरवेटिव को 36प्रतिशत समर्थन मिला था। इस सर्वे से छह सप्ताह पहले कंजरवेटिव पार्टी को 46प्रतिशत लोगों का समर्थन था, जबकि लिबरल को 12प्रतिशत पसंद कर रहे थे। छह सप्ताह में पार्टी की लोकप्रियता में 26प्रतिशत का जबरदस्त उछाल आया। दरअसल, कनाडा पर ट्रम्प के जुबानी हमलों से लिबरल पार्टी को समर्थन मिला है। इप्सोस ने कहा कि ट्रम्प विरोधी भावना और लिबरल पार्टी के नए नेतृत्व को लेकर कंजरवेटिव को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंकर और इकोनॉमिस्ट हैं मार्क कार्नी मार्क कार्नी इकोनॉमिस्ट और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं। कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर चुना गया था। कनाडा को मंदी से बाहर निकालने के लिए उन्होंने जो कदम उठाए, उसकी वजह से 2013 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उन्हें गवर्नर बनने का प्रस्ताव दिया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के 300 साल के इतिहास में वे पहले ऐसे गैर ब्रिटिश नागरिक थे, जिन्हें यह जिम्मेदारी मिली। वे 2020 तक इससे जुड़े रहे। ब्रेग्जिट के दौरान लिए फैसलों ने उन्हें ब्रिटेन में मशहूर बना दिया। ट्रम्प के विरोधी हैं कार्नी कार्नी लिबरल पार्टी में ट्रम्प के विरोधी हैं।

पाकिस्तान में 18 जिलों के सीवेज-सैंपल में मिला पोलियो वायरस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने देश के 18 जिलों से इक्ट्ठा किए गए सीवेज सेम्पल में वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप-1 का पता लगाने की पुष्टि की है। ये नमूने पाकिस्तान के सभी 4 राज्यों की अलग-अलग सीवेज लाइन से जमा किए गए थे। प्रभावित इलाकों में सिंध के 12 जिले, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में दो-दो जिले, बलूचिस्तान और इस्लामाबाद का एक जिला शामिल है। दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही सिर्फ ऐसे दो देश हैं, जहां अभी भी पोलियो उन्मूलन नहीं हो पाया है। इस साल अब तक पाकिस्तान में पोलियो के 6 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें सिंध से 4, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के एक-एक मामले शामिल हैं। 2024 में देश में 74 मामले दर्ज किए गए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 27 मार्च, 2014 को भारत को पोलियो मुक्त घोषित कर दिया था। हालांकि पिछले साल 10 साल बाद मेघायल में पोलियो का एक केस मिला था। वैक्सीन लगाने वाले कार्यकर्ता सुरक्षित नहीं अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक

पाकिस्तान में अल-कायदा और पाकिस्तान-तालिबान जैसे संगठन पोलियो उन्मूलन में बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा पोलियो वैक्सीन को लेकर लोगों में जागरूकता का आभाव है। कई बार पोलियो वैक्सीन लगाने वाले हेल्थ वर्कर्स पर हमले पर खबरें भी सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा खराब स्वास्थ्य सुविधाएं और लोग की तरफ से पोलियो वैक्सीनेशन में लापरवाही भी इसकी बड़ी वजह है। पोलियो क्या है? पोलियो एक गंभीर और कई बार जानलेवा बीमारी है, जो पोलियो वायरस के कारण होती है। बीते कुछ सालों में दुनिया के ज्यादातर देश पोलियो मुक्त हो चुके हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पोलियो मुक्त बनाने के लिए वैक्सिनेशन अभियान चल रहे हैं। पोलियो के लक्षण ज्यादातर लोगों में बहुत हल्के दिखते हैं या फिर दिखते ही नहीं हैं। कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर हो सकता है। इन मामलों में पैरालिसिस यानी लकवा हो सकता है या मृत्यु तक हो सकती है। पोलियो के लक्षण पोलियो से संक्रमित 95प्रतिशत लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है। मुश्किल ये है कि संक्रमित व्यक्ति बिना लक्षणों के भी पोलियो वायरस फैला सकता है। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं,।

अमेरिका का हूतियों को करारा जवाब; यमन में किए ताबड़तोड़ हवाई हमले, एक की मौत और 15 अन्य लोग घायल

सना, एजेंसी। यमन की राजधानी सना में एक आवासीय इमारत पर अमेरिकी हवाई हमलों में एक युवक की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल हो गए। अमेरिका ने बीते दिनों हूतियों के नियंत्रण वाली सना पर लगातार हमले किए हैं। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सना के उपनगर असर में हुए हमले में हुए घायलों में तीन बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। लोगों ने हमले को बहुत हिंसक बताया है। वहीं बचाव दल इमारत के मलबे में लोगों की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लाल सागर में तैनात अमेरिकी सेना ने यमन के उत्तरी प्रांत सादा पर हवाई हमले किए। इसमें प्रांत के केंद्रीय शहर के आसपास के क्षेत्र, जो हूतियों का गढ़ है को निशाना बनाया गया। ये हमले हूतियों द्वारा उत्तरी लाल सागर में यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन विमानवाहक पोत और मध्य इस्राइल में बेन गुरियन हवाई अड्डे पर हमले के बाद हुए। इससे पहले अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की थी। यह बमबारी राजधानी सना और उत्तर पश्चिम में स्थित सादा शहर में की गई। बमबारी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों को धमकी दी और कहा कि वे उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने साथ ही ईरान को भी चेताया और ईरान पर हूती विद्रोहियों की मदद करने का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि हूतियों को

इस बमबारी में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यह धीरे-धीरे बदतर होता जाएगा। यह बराबरी की लड़ाई भी नहीं है और ना कभी होगी। उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने हूतियों को हथियार देने के लिए ईरान को चेतावनी भी दी और दावा किया कि ईरान ने हूतियों को सैन्य आपूर्ति कम कर दी है, लेकिन उसे इस पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए। ईरान पर लंबे समय से हूतियों की मदद करने के आरोप लग रहे हैं। हूति यमन के अल्पसंख्यक शिया जैदी समुदाय के लोग हैं। इस वर्ग ने साल 1962 तक करीब हजार साल तक यमन पर राज किया। हालांकि ईरान इन आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज करता रहा है। इस्राइल और हमास की लड़ाई के बाद हूतियों पर लाल सागर के इलाके में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के आरोप लगे।

बांग्लादेश में 7 महीने में कपड़े की 140 फैक्ट्रियां बंद: 1 लाख बेरोजगार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश का गारमेंट सेक्टर इस समय भयंकर संकट से गुजर रहा है। पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद सात महीनों में 140 से ज्यादा गारमेंट फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। इसके चलते एक लाख से ज्यादा मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सिर्फ गाजीपुर, सावर, नारायणगंज और नर्सिंदी में 50 से ज्यादा फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जबकि करीब 40 फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हैं। दूसरी ओर कई गारमेंट कंपनियों में मजदूरों के 2 महीने से 14 महीने तक के वेतन बकाया हैं, जिससे वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ईद के करीब आते ही स्थिति और भयावह होती जा रही है। ईद के बाद और अधिक फैक्ट्रियां बंद होने की आशंका है। इसके बावजूद, सरकार और गारमेंट मालिकों द्वारा कदम नहीं उठाया जा रहा है। गारमेंट सेक्टर से 20प्रतिशत ऑर्डर शिफ्ट हुए बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के सूत्रों के अनुसार, 20प्रतिशत ऑर्डर देश से शिफ्ट हो चुके हैं। अब यह ऑर्डर भारत, वियतनाम, श्रीलंका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान को मिल रहे हैं। बंद हो रही ज्यादातर फैक्ट्रियां हसीना की पार्टी के नेताओं से जुड़ीं गारमेंट फैक्ट्रियों के अचानक बंद होने के पीछे मुख्य रूप से दो बड़ें वजह बताई जा रहे हैं, आर्थिक मंदी व राजनीतिक अस्थिरता। हालांकि, इस संकट में एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बंद हो रही ज्यादातर फैक्ट्रियां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े नेताओं की है। इनमें हसीना के विदेशी निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान की बेक्सिमको कंपनी भी शामिल है। बीते सात माह में बेक्सिमको की 15 फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो गई हैं। इसके अलावा, आवामी लीग के मंत्री गाजी

दस्तगीर की भी कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। लेबर नेता मोहम्मद मिंटू कहते हैं, बेक्सिमको गारमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी थी। यहां मजदूरों को वेतन व बोनस समय पर मिलता था। इसके बंद होने से समस्या हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कई बड़े गारमेंट व्यापारी देश छोड़कर जा चुके हैं, जिससे फैक्ट्रियां बंद होने की समस्या और गंभीर हो गई है। यूनियन बोला- मंदी का संकट गहराया गारमेंट फैक्ट्रियों के बंद होने पर सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि बाजार में ऑर्डर कम होने के कारण उत्पादन ठप हो गया है। लेकिन गारमेंट वर्कर्स ट्रेड यूनियन सेंटर के कानूनी मामलों के सचिव खैरुल ममून मिंटू का दावा है कि यह सरासर झूठ है। ऑर्डर अब भी मिल रहे हैं, बल्कि जो फैक्ट्रियां बची हैं, उन पर अतिरिक्त दबाव डाला जा रहा है। असल में, यह संकट राजनीतिक कारणों से गहराया है। इस पर काबू नहीं पाया गया तो देश में आर्थिक मंदी हो सकता है। जानकारों का कहना है कि यूनुस सरकार सेक्टर को बेहतर करने को कोई कदम नहीं उठा रही है।

सिंगापुर और भारत ने ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए की साझेदारी

सिंगापुर।

सिंगापुर और भारत ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए साझेदारी में हस्ताक्षर किए। इस आशय पत्र (एलओआई) में यह दोनों देशों के बीच डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और भारतीय बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इस साझेदारी से सिंगापुर-भारत जीडीएससी में बेहतर सहयोग और उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास और डिजिटल समाधानों की अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि इस साझेदारी से दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूती मिलेगी और अधिक गहरा होगा। आशय पत्र के माध्यम से, दोनों देश समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं में सहयोग करने का संकल्प लेंगे और इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करने का प्रस्ताव शामिल होगा। यह साझेदारी समझौते के

जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेगी। इस समुद्री डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के माध्यम से भारत को सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणीता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो हरित समुद्री ईंधन के निर्यात में मदद करेगा। इसके साथ ही सिंगापुर की गतिशील अनुसंधान और नवाचार परिवेश भी समर्थन करेगा।

सेबी ने कीमतों पर रोक लगाने डेरिवेटिव कारोबार पर लगाई रोक

गेहूं समेत 7 फसल के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ा

नई दिल्ली।

सुरक्षा और एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने गेहूं और मूंग समेत सात वस्तुओं पर डेरिवेटिव कारोबार पर निलंबन लगाने के निर्देशों में सुधार करते हुए मार्च, 2026 तक इस प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। सेबी ने गेहूं और मूंग के अलावा अन्य कृषि उत्पादों पर निलंबित कारोबार करने की दिशा में स्पष्टता दी है। इस पहल में, सेबी ने कृषि उत्पादों की कीमतों पर अत्यधिक सट्टा और अस्थिरता को कम करने के लिए उत्तरदायित्वपूर्ण कदम उठाया है। डेरिवेटिव कारोबार में निवेशकों को बड़े जोखिम से बचाने के लिए इस प्रतिबंध में वृद्धि की गई है। यह निर्देश मौजूदा सौदों को पूरा करने की अनुमति देता है, लेकिन नए उतार-चढ़ाव में निवेश करने की मनाही करता है। सेबी ने अब निलंबन को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य जिंस बाजारों में स्थायिता और सट्टेबाजी को रोकना है। गेहूं, मूंग, धान, चना, कच्चा पाम तेल, सरसों और सोयाबीन इस निलंबन के परिधि में शामिल हैं। सेबी के इस कदम से किसानों के उत्पादों की कीमतों और खाद्य अभिशासकों को भविष्य में स्थिरता मिलने की उम्मीद है। यह निर्देश स्वीकार करने के बाद बाजार सुरक्षितरता बढ़ाने के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जो खासकर अत्यधिक सट्टेबाजी से निपटने में मदद करेगा। सेबी के इस प्रकार के निर्णय सुरक्षित वित्तीय माहौल को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गुणकारी साबित हो सकते हैं।

अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान महीनों नहीं, कुछ दिन में होगा

एनएसई ने इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने अनलिस्टेड शेयरों के सौदों का निपटान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से करना शुरू कर दिया है। इससे शेयर ट्रांसफर प्रक्रिया आसान और तेज होगी। सोमवार से शुरू हुए नए सिस्टम के तहत अब मैनुअल प्रोसेस की जगह केंद्रीय डिपॉजिटरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (सीडीएसएल) इन ट्रांजैक्शनों को पूरा करेगा। एनएसई ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, रेगुलेटरी बदलाव के बावजूद एनएसई के शेयर अब भी अनलिस्टेड ही रहने वाले है। यानी किसी भी स्टॉक एक्सचेंज पर पब्लिक रूप से ट्रेड नहीं होने वाले है। लेकिन इस पहल से यह सुनिश्चित होगा कि ऑफ-मार्केट ट्रांसफर अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के तहत आने वाले 2018 के सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट्स (रेगुलेशन) (स्टॉक एक्सचेंजेज़ एंड क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) रेगुलेशंस (एसईसीसी) के अनुरूप हों।दरअसल अनलिस्टेड शेयर्स वे शेयर होते हैं, जो किसी भी पब्लिक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड नहीं होते।

ये आमतौर पर निजी कंपनियों के शेयर होते हैं। इसमें स्टार्टअप्स, शुरुआती चरण की कंपनियां या फिर एनएसई जैसी बड़ी लेकिन अनलिस्टेड कंपनियां शामिल होती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू करने का मुख्य उद्देश्य ट्रेड सेटलमेंट की अवधि को महीनों से घटाकर कुछ दिनों में करना है। पहले इन ट्रांजैक्शनों को एनएसई और सेबी दोनों की मंजूरी की आवश्यकता होती थी। इससे सेटलमेंट में चार से पांच महीने तक का समय लगाता था। कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार पहले जिस काम में तीन से चार महीने लगते थे, वह अब एक सप्ताह से भी कम समय में पूरा होगा है। इस संशोधित प्रक्रिया से ग्रे मार्केट में ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस मार्केट में एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों की मांग पहले से ही काफी बढ़ी हुई है। खासकर जब बीएसई लिमिटेड के शेयरों में बीते पांच वर्षों में करीब 5,000 फीसदी की बढ़त देखी गई है।अब शेयरधारक सीडीएलएस के ज़रिए डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप (डीआईएस) का उपयोग करके एनएसई के अनलिस्टेड शेयरों का ट्रांसफर कर सकते हैं। 24 मार्च से एनएसई के इंटरनेशनल सिक्योरिटीज आइडेंटिफिकेशन नंबर (आईएसआईएन) के सक्रिय होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर संभव हो गया है।

अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट की गाड़ियों की बढेगी कीमतें

नई दिल्ली

।अगले महीने अप्रैल से हयूदै और रेनॉल्ट अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने जा रही हैं। इससे पहले मारुति सुजुकी, होंडा, टाटा मोटर्स और किआ जैसी कंपनियां भी अपने मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं। दोनों कंपनियों ने इनपुट लागत और कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी को कीमतें बढ़ाने का मुख्य कारण बताया है। हयूदै ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जो मॉडल और वेरिएंट के आधार पर अलग-अलग होगी। हयूदै मोटर इंडिया लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ डालने से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने के कारण प्राइस हाइक अनिवार्य हो गया है। रेनॉल्ट ने 2 प्रतिशत तक की कीमतों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है, जो अप्रैल 2025 से लागू होगी। यह रेनॉल्ट की फरवरी 2023 के बाद पहली

प्राइस हाइक है। रेनॉल्ट इंडिया के कंट्री सीईओ वेंकटराम मम्मिल्लापल्ले ने कहा कि कंपनी ने लंबे समय तक कीमतें स्थिर रखने की कोशिश की, लेकिन लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए अब कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। अगर आप हयूदै या रेनॉल्ट की कोई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो अप्रैल से पहले बुकिंग कर लें, ताकि बढ़ी हुई कीमतों से बचा जा सके। कार खरीदने के इच्छूक ग्राहकों के लिए रुपये बचाने का यही सर्वोत्तम समय है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण जीडीपी में तीन प्रतिशत का नुकसान : नितिन गडकरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि हम सड़क दुर्घटनाओं के कारण देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत का नुकसान हो रहा है।नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'सड़क सुरक्षा के लिए तकनीकी हस्तक्षेप -भारत-अमेरिका साझेदारी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं हमारी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। हर साल देश में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1,88,000 लोगों की मौत होती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷जान गंवाने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष की आयु के 66 प्रतिशत लोग होते हैं। युवा, प्रतिभाशाली, इंजीनियरिंग स्नातक, मेडिकल छात्रों के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। वहीं, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का यह आंकड़ा 10,000 है। अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों के आसपास वाले इलाकों में होती हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि हम इन दुर्घटनाओं के साथ अपनी जीडीपी का तीन प्रतिशत खो रहे हैं।' उन्होंने सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय परिदृश्य में एक समस्या यह है कि हम डीपीआर सलाहकार के साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें कभी-कभी लागत और बचत आदि पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उनमें सुधार किया जा सकता है। इन सुधारों के साथ मौजूदा सरकार ने सड़क हादसों में मौत के आंकड़ों में 48 प्रतिशत और सड़क दुर्घटनाओं में 49 प्रतिशत की कमी की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब दुर्घटनाओं के आंकड़े में 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए उनके सही कारणों का पता लगाया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों का लाभ उठाते हुए, अब हम बेहतरीन यातायात प्रणाली के संबंध में बहुत सारे कदम उठा रहे हैं। इसके कार्यान्वयन के संबंध में बहुत सारे निर्णय लिए गए हैं।' गडकरी ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए स्कूली शिक्षा में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देने की जरूरत पर जोर दिया।

ईएसआई स्कीम के तहत 18 लाख नए कर्मचारी जुड़े

महिलाओं और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी मिली राहत

नई दिल्ली।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ईएसआई स्कीम के तहत जनवरी महीने में भारतीय नौकरियों को बेहतर सोशल और फाइनेंशियल सिक्योरिटी प्रदान की गई है। यह स्कीम कमाई रहने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन की गई है जो आयु 25 वर्ष से कम है और जिनका मासिक वेतन 21,000 रुपये या इससे कम है। नए कर्मचारियों के 47.66 फीसदी के रजिस्ट्रेशन को दर्ज किया गया है, जिसमें शामिल हैं 8.67 लाख कर्मचारी। इसमें से 3.65 लाख महिला कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम में शामिल होने का फैसला किया है। इसके अलावा, जनवरी में 85 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया। ईएसआई स्कीम के तहत कर्मचारी को मिलने वाले कई फायदे हैं, जैसे कि निःशुल्क इलाज, बीमा आवास, मैटरनिटी बेनिफिट्स और समाजिक सुरक्षा। इसके अलावा, अगर किसी बीमित कर्मचारी की मौत होती है, तो उसके आश्रितों को मासिक पेंशन भी प्रदान की जाती है। ईएसआई स्कीम को सफल बनाने के लिए अब और भी अधिक लोगों को इसमें शामिल करने की जरूरत है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के भविष्य की सुरक्षा में मदद मिले।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में 1,000 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। यह खबर मंगलवार को कंपनी ने पांच बाजारी में जानकारी देते हुए साझा की। जनवरी में हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना गोदरेज मैडिसन एवेन्यू की शुरुआत करने के साथ ही गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अपने पहले हफ्ते में 300 से अधिक मकानों की बिक्री की। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस सफलता को एक प्रस्तावित भविष्य के लिए माना और कहा, हमें खुशी है कि हमारी पहली परियोजना की इस प्रतिक्रिया ने हमें उम्मीद एवं विश्वास दिया है कि हैदराबाद में हमारे लिए व्यापक अवसर हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है और जल्द ही हैदराबाद में अपनी दूसरी परियोजना की शुरुआत करने की योजना बना रही है। उसने कोकापेट में गोदरेज मैडिसन एवेन्यू के तहत लोकप्रिय आवासीय विकास को बढ़ावा देने के लिए उम्मीद जताई है।

सुजलॉन एनर्जी फिर बनेगा रॉकेट!

नई दिल्ली। बाजार में हालिया गिरावट के बाद रिकवरी के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एनर्जी स्टॉक सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर बाय की रेटिंग देते हुए कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 70 रुपये का टारगेट प्राइस रखा है। इस तरह से स्टॉक आगे चलकर 21 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर सोमवार को 57.92 रूपए पर बंद हुए। मंगलवार को शुरुआत में यह बीएसई पर 1.50 फीसदी चढ़कर 58.79 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले कुछ समय से स्टॉक पर दबाव देखा जा रहा था। स्टॉक अपने हाई से 33 फीसदी टूट गया है। पिछले तीन महीने में शेयर 9.29 फीसदी और छह महीने में 29.11 फीसदी गिरा है। हालांकि, शेयर में अब वापसी का ट्रेंड बना रहा है और एक महीने में यह 7.79 फीसदी चढ़ गया है। पिछले एक साल में स्टॉक ने 57.43 फीसदी और दो साल में 677.78 फीसदी का जोरदार रिटर्न दिया है। स्टॉक का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो 36.80 रुपये है। बीएसई पर कंपनी का टोटल मार्केट कैप 80,143.33 करोड़ रुपये है।

एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च

नइ दिल्ली। भारत में होंडा ने अपने लोकप्रिय स्कूटर एक्टिवा का इलेक्ट्रिक वर्जन एक्टिवा ई लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर दो वेरिएंट्सएक्टिवा ई स्टेंडर्ड और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ में उपलब्ध है। दोनों वेरिएंट्स में सबसे बड़ा अंतर डिस्प्ले और कनेक्टिविटी फीचर्स का है। इसकी डिलीवरी शुरू हो चुकी है और जिन ग्राहकों ने इसे पहले बुक किया था, उन्हें यह मिलना शुरू हो गया है। स्टैंडर्ड मॉडल में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले मिलता है, जबकि रोडसिंक डुओ में 7-इंच का टीएफटी डिस्प्ले, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, नेविगेशन, लाइव ट्रैकिंग और ओटीए अपडेट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इस स्कूटर में 1.5केडब्ल्यूएच के दो स्वैपेबल बैटरी पैक हैं, जिससे 102 किलोमीटर की रेंज मिलती है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी प्रति घंटा है और यह 6केडब्ल्यू पीएमएसएम मोटर से लैस है। चार्जिंग के लिए इसे 6-7 घंटे का समय लगता है, लेकिन स्वैपेबल बैटरी की वजह से मात्र 1 मिनट में बैटरी बदली जा सकती है। स्कूटर में फ्रंट डिस्क और रियर ड्रम ब्रेक, यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और अंडर-सीट स्टोरेज जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। स्वैपेबल बैटरी तकनीक के कारण यह स्कूटर लंबी दूरी की यात्राओं को आसान बनाता है। अपनी दमदार बैटरी, लंबी रेंज और एडवांस फीचर्स के चलते एक्टिवा ई भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में बड़ी पहचान बना सकता है। होंडा ने एक्टिवा ई स्टेंडर्ड की कीमत रुपए1,17,000 (एक्स-शोरूम) और एक्टिवा ई रोडसिंक डओ की कीमत रुपए 1,51,600 (एक्स-शोरूम) रखी है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। अंत में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 32.81 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 78,017.19 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 10.30 अंक ऊपर आकर 23,668.65 अंकों पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 78,296.28 अंकों पर और निफ्टी 23,869.60 अंकों तक पहुंच गया पर इसके बाद बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आ गया। ।

आज सेंसेक्स की केवल 10 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही जबकि बाकी की सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 34 कंपनियों के शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा 3.32 फीसदी उछले वहीं जोमैटो के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.57 फीसदी की गिरावट रही।

आज बजाज फिनसर्व के शेयर 2.16 फीसदी, इंफोसिस 1.71 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.21 फीसदी, भारती एयरटेल 0.98 फीसदी,

एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी, एचसीएल टेक 0.94 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.30फीसदी, टीसीएस 0.29 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.14 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, आज इंडसइंड बैंक के शेयर 5.09 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.89 फीसदी, सनफार्मा 1.42 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.39 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.34 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.23 फीसदी, एसबीआई 1.07 फीसदी, टाटा स्टील 1.04 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.96 फीसदी और पावरग्रिड के शेयर 0.84 फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में ` मिले सकारात्मक रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुले। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क की घोषणा से पहले यह उम्मीद की जा रही है कि वह सख्त रुख नहीं अपनाएंगे और कुछ देशों पर ही शुल्क लगाएंगे। इस उम्मीद से एशियाई और अमेरिकी बाजारों में पॉजिटिव माहौल है। इसका असर मंगलवार को भारतीय बाजारों पर भी` दिखाई दिया। सेंसेक्स जोरदार तेजी के साथ 78,296.28 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी बढ़त लेकर 23,751.50 पर खुला।

रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ 85.84 डॉलर पर

रुपया पिछले कारोबारी दिन 85.61 पर बंद हुआ था

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.59 पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद थोड़ा फिसलकर 85.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.31 पर रहा। आयातकों की ओर से महीने के ओ खिरी में अमेरिकी मुद्रा की मांग इसकी मुख्य वजह रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और विदेशी पूंजी प्रवाह ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया।

तीन सरकारी बैंक दे रहे सस्ता होम लोन

31 मार्च तक प्रोसेसिंग फीस माफ

मुंबई।

होम लोन की मांग में महंगाई के दबाव के बीच कुछ बैंकों ने ब्याज दरों में कमी के साथ लोन प्रदान करने की घोषणा की है। कई सरकारी बैंक अब 8.10 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन उपलब्ध करा रहे हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 20,000 रुपए तक प्रोसेसिंग फीस के माफी का ऐलान किया है, जबकि बैंक ऑफ महाराष्ट्र महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को छूट ऑफर कर रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी इसी ब्याज दर पर अपना होम लोन योजना लागू की है। लोन लेने से पहले, व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर और वित्तीय स्थिति का ध्यान रखना अनिवार्य है। इन बैंकों के साथ एक चुनाव निर्णायक हो सकता है, जो घर की खरीदी के सपने को साकार करने में मदद कर सकता है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। खास बात यह है कि बैंक प्रोसेसिंग फीस के तौर पर 20,000 रुपए तक 0.50 फीसदी प्लस जीएसटी लेता है लेकिन यह 31 मार्च 2025 तक माफ है। हालांकि, ग्राहकों को डॉक्यूमेंटेशन चार्ज 1350 रुपए और जीएसटी देना होगा।बैंक ऑफ महाराष्ट्र- बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी 8.10 फीयदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। फिलहाल कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं ली जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और डिफेंस पर्सनल को अतिरिक्त 0.05 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही प्री-पेमेंट, प्री-क्लोजर और पार्ट-पेमेंट चार्ज भी शून्य है। यूनियन बैंक ऑफ

इंडिया- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 8.10 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन दे रहा है। हालांकि, इस बैंक में प्रोसेसिंग फीस के रूप में लोन राशि का 0.50 फीसदी लिया जाएगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये तीनों बैंक आपको 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर पर होम लोन तभी प्रदान करेंगे जब आपका क्रेडिट स्कोर या सिबिल स्कोर उच्च होगा।

सेल की डिजिटल परिवर्तन के लिए साझेदारी

सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा

नई दिल्ली। महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। सेल ने इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी में डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह साझेदारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का आधुनिकीकरण करने, कंपनी के प्रदर्शन को अनुकूलित करने और तेजी से बढ़ते डिजिटल परिदृश्य में निरंतर विकास को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। इस साझेदारी के माध्यम से सेल को अत्याधुनिक डिजिटल क्षमताओं को एकीकृत करने में सक्षम किया जाएगा, जो कंपनी को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद करेगा। साझेदारी में सेल और मैकिन्से ने अपनी तकनीकी ज्ञान और कौशल का संयोग किया है ताकि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठा सकें। इसके माध्यम से एकत्रित होकर, वे अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों को लागू करने के लिए काम करेंगे और कंपनी को नए उच्चायों तक पहुंचाएंगे।

इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च, कीमत महज 1.20 लाख रुपये

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर टेसरैक्ट लॉन्च किया है। इस अभूतपूर्व डिमांड ने ओला इलेक्ट्रिक और अन्य ईवी कंपनियों के लिए एक नई चुनौती पेश कर दी है। महज 1.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत वाले इस स्कूटर ने दो हफ्तों में ही 50,000 से ज्यादा बुकिंग्स हासिल कर ली हैं। अल्ट्रावायोलेट ऑटोमोटिव के सीईओ नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि टेसरैक्ट को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने इसे न सिर्फ एक इलेक्ट्रिक स्कूटर, बल्कि यात्रा के तरीके में बदलाव लाने वाला क्रांतिकारी उत्पाद बताया। टेसरैक्ट को डेजर्ट सैंड, स्टेल्थ ब्लैक, सोनिक पिंक और सोलर व्हाइट जैसे चार रंग विकल्पों में पेश किया गया है। इसकी बुकिंग केवल 999 रुपये में कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह स्कूटर आधुनिक तकनीक से लैस है और इसमें 7-इंच का टचस्क्रीन टीएफटी डिस्प्ले, इंटीग्रेटेड डैशकैम, वायरलेस चार्जिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें डुअल-रडार सिस्टम, फ्रंट और रियर कैमरे, ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन और कोलिजन वार्निंग जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, इसमें डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनामिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी दी गई हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और रॉयल्स में मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगे क्योंकि पहले मैच में इन्हें हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर को जहां शुरुआत मैच में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) वहीं राजस्थान रॉयल्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। पहले मैच में दोनो ही टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायीं थीं। दोनो के ही बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। सुनील नरेन के अलावा केकेआर का कोई भी गेंदबाज आरसीबी के बल्लेबाजों को रोक नहीं पाया। यहां तक कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी विफल रहे थे।

ऐसे में अब वरुण का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। केकेआर की नजरें एनरिक नोर्किया की फिटनेस पर भी आधारित रहेंगी। नोर्किया अगर फिट होते हैं तो उन्हें स्पेंसर जॉनसन की जगह शामिल किया जा सकता है। पहले मैच में कप्तान अजिंक्य रहाणे और नारायण के आउट होने के बाद केकेआर की बल्लेबाजी ढ़ह गयी थी। ऐसे में इस बार का मध्यक्रम बिखर गया था। वेंकटेश अय्यर और आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। इसके अलावा रिंकू सिंह से भी टीम को रनों की उम्मीद रहेगी। पिछले कुछ समय से उनका बल्ला खामोश है। आईपीएल के पहले मैच में भी वह केवल 12 रन बना पाए थे। वहीं दूसरी ओर रॉयल्स की हालत भी ठीक नहीं है। उसको अगर ये मैच जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स के खिलाफ पिछले मैच में उसके मुख्य तेज

गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन दिये थे जबकि फजल हक फारूकी और महेश थीक्षाना जैसे गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की कप्तान कर रहे युवा रियान पराग को भी आत्मविश्वास से फैसल देने होंगे। टीम की बल्लेबाजी रियान के अलावा संजू सैमसन, वैभव सूर्यावंशी और शिमोन हिटमायर जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज़, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिटी सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारखंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती, चेतन सकारिया।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिम्रोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

आईपीएल ऑरेंज कैप की दौड़ में ईशान सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले (ऑरेंज कैप) की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष पर हैं। ईशान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया था। इसमें शीर्ष-10 खिलाड़ियों में 5 भारतीय और 5 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 75 रन की पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 72 रनों की पारी खेली थी। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल हैं, जिन्होंने अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की पारी खेली थी। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड हैं, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 रनों की पारी खेली थी। छठे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के आशुतोष शर्मा हैं, जिन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। सातवें नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 66 रनों की पारी खेली थी। आठवें नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 65 रनों की पारी खेली थी। 9वें नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ पहले मैच में 59 रनों की पारी खेली थी। 10वें नंबर पर आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं, जिन्होंने कोलकाता के खिलाफ 56 रनों की पारी खेली थी।

स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने आईसीसी रैंकिंग में कायम रखा अपना स्थान

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने मंगलवार को यहां जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों की रैंकिंग में क्रमशः अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। मंधाना के अलावा कोई अन्य भारतीय शीर्ष-10 में मौजूद नहीं है। सूची में कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें स्थान पर, जेमिमा रोड्रिग्स 15वें स्थान पर और शेफाली वर्मा उनसे एक पायदान नीचे हैं।

बल्लेबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर हैं, उनके बाद टीम की साथी तहलिया मैकग्रा मौजूद हैं। मूनी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 75 और 70 रन बनाकर शीर्ष पर अपनी बढ़त में इजाफा किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में 32 रन की पारी खेलने वाली फोबे लिचफील्ड तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गईं। स्टार ऑलराउंडर मेली केर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 40 रन की पारी के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान की बढ़त हासिल की जबकि न्यूजीलैंड की जॉर्जिया प्लिमर पिछले महीने शीर्ष क्रम में कुछ लगातार पारियों की बदौलत 20 स्थान का सुधार करते हुए 50वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दीप्ति ने इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन और पाकिस्तान की सादिया इकबाल के बाद गेंदबाजों में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। सदरलैंड टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों के लिए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंच गई। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद दो स्थान की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर पहुंच गई। डार्सी ब्राउन 12 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर पहुंची। केर टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज के बाद दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि मैकग्रा (तीन पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और सदरलैंड (एक पायदान ऊपर 21वें स्थान पर) ऊपर की ओर बढ़ने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स का तेज गेंदबाज चोट से उभरा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हो सकती है वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को भले ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन मंगलवार को उन्हें कुछ सकारात्मक खबरें मिलीं। प्रमुख तेज गेंदबाज आवेश खान को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ ने आईपीएल 2025 के लिए LSG टीम से फिर से जुड़ने की मंजूरी दे दी है।

रिपोर्ट के अनुसार उन्हें अपने दाहिने घुटने में तकलीफ हो रही थी, जो घरेलू सत्र के दौरान उनके कार्यभार से संबंधित थी। मध्य प्रदेश के इस तेज गेंदबाज को शुरू में आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों से बाहर रखा गया था। आवेश अपने दाहिने घुटने की चोट के कारण इस साल जनवरी से अनुपलब्ध हैं। वह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, जहां माना जाता है कि उन्होंने सोमवार को अपना आखिरी फिटनेस मूल्यांकन पूरा किया। आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि नहीं हुई है कि आवेश एलएसजी टीम से कब जुड़ेंगे।

एलएसजी कैंप अपने तेज गेंदबाजों की चोटों से त्रस्त है और शार्दुल के शामिल होने से उन्हें बहुत जरूरी राहत मिलेगी, जो मोहसिन खान की जगह आए हैं। मोहसिन के अलावा मयंक यादव और आकाश दीप की तेज गेंदबाजी जोड़ी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं है और वर्तमान में बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ठीक हो रही है।

अभी तक तेज गेंदबाजों की वापसी की तारीख पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बहुप्रतीक्षित आईपीएल 2025 मुकाबला 27 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

आईपीएल 2025 के लिए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, अवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान, रवि बिस्नोई, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

चेन्नई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं।

वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं। एक पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस सत्र के पहले उन्होंने शायद नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपने किसी गेंदबाज के खिलाफ पहले कीपिंग का अभ्यास नहीं किया हो तो इस प्रकार की स्टंपिंग कठिन होती है। मुझे लगता है कि उन्होंने सत्र के पहले नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। वह नए गेंदबाजों के खिलाफ अक्सर ऐसा करते हैं।

अश्विन युवा स्पिनरों को देते हैं टिप्स : रचिन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने टीम के अनुभवी स्पिन आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम की अच्छी शुरुआत का श्रेय इस अनुभवी खिलाड़ी को दिया है। अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में हालांकि एक ही विकेट लिया था। रविंद्र ने कहा, ' अश्विन एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट ज्ञान का लाभ टीम को मिलता है। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं और युवा स्पिनरों को टिप्स देते हैं । मैं उनको खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं और उनके साथ एक टीम में खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छे स्पिन गेंदबाज हैं और हमारी टीम का संतुलन बहुत अच्छा है। अगर किसी दिन कोई गेंदबाज नहीं चल पाता है तो हमारे पास उसके लिए भी विकल्प हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अच्छी प्रगति कर रहे हैं और वह जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, 'हम उनकी वापसी की समय सीमा को नहीं जानते हैं। हम यह जानते थे कि बुमराह पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसलिए हमने उसी के अनुरूप रणनीति तैयार की और अन्य विकल्पों पर विचार किया था।

टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं : सिराज

कोलकाता । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अभी गुजरात टाइटन्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे हैं। वह चैम्पियंस ट्रॉफी से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। इसी को लेकर सिराज ने कहा कि टीम में वापसी मेरे हाथ में नहीं है। इस गेंदबाज ने कहा कि उनका ध्यान अच्छा प्रदर्शन करने और अपनी टीम के लिए विकेट लेने पर है। उन्होंने यह भी याद किया कि जब उन्होंने पहली बार आईपीएल के बाद टी20 विश्व कप 2022 में चयन के बारे में सोचना शुरू किया, तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और तब से उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सिराज ने कहा, चयन मेरे हाथ में नहीं है। मेरे हाथ में विकेट लेना और अपनी टीम के लिए प्रदर्शन करना है। मैं अपना 100 फीसदी दूंगा। अगर मैं चयन के बारे में सोचना शुरू कर देता हूं, तो यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में, आईपीएल के ठीक बाद, मैं केवल चयन के बारे में सोच रहा था और मुझे अच्छी गेंदबाजी करने की जरूरत थी पर प्रदर्शन नहीं आया। बाद में, मुझे एहसास हुआ कि मेरे नियंत्रण में केवल मेरी गेंदबाजी और 100 फीसदी देना है। सबसे महत्वपूर्ण बात प्रदर्शन है और क्या मैं अपनी योजनाओं को ठीक से क्रियान्वित कर रहा हूं। मैंने पिछले कुछ वर्षों में यह सीखा है, और यह बहुत मददगार रहा है। अपने शरीर के बारे में सिराज ने कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने अपनी मानसिकता पर भी काम किया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, सब कुछ लय पर निर्भर करता है, मेरी लय जितनी बेहतर होगी, मैं उतनी ही बेहतर गेंदबाजी करूंगा।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए लेथम को बनाया कप्तान

-केली और अब्बास पहली बार शामिल

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टॉम लेथम को कप्तान बनाया है। टीम में कई नए खिलाड़ियों को भी पहली बार जगह मिली है। वेलिंगटन फायरबर्ड्स के लिए खेलने वाले दो अनकैप्ड खिलाड़ियों बल्लेबाज निक केली और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुहम्मद अब्बास को पहली बार शामिल किया गया है। वहीं राचिन रवींद्र, डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स और मिशेल सेंटनर टीम से बाहर है ,ये सभी अभी आईपीएल खेल रहे है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के शुरुआती मैच में शतक बनाने वाले विल यंग, केली के साथ शीर्ष क्रम में शामिल होंगे। जबकि डेरिल मिशेल, माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ मध्य क्रम में खेलेंगे।

गेंदबाजी की कमान विल ओ'रुर्क, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और बेन सियर्स जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी। तेज गेंदबजा जैमीसन को आराम दिया गया है। स्पिन में ऑलराउंडर ब्रेसवेल के साथ 22 वर्षीय ऑकलैंड एसेस के लेग स्पिनर आदि अशोक शामिल रहेंगे। दूसरा एकदिवसीय मैकलीन पार्क, नेपियर में मैच दो अप्रैल, तीसरा एकदिवसीय मैच पांच अप्रैल को बे ओवल, माउंट माउंगानुई में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम : टॉम लैथम (कप्तान), मुहम्मद अब्बास, आदि अशोक, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, मिच हे, निक केली, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और विल यंग।

श्रीलंका की अदालत ने मैच फिक्सिंग मामले में भारतीय को सुनाई 4 साल की सजा

कोलंबो । श्रीलंका की एक अदालत ने एक भारतीय नागरिक को क्रिकेट मैच फिक्सिंग के 2024 के एक मामले में मंगलवार को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। योगी पटेल पर कैंडी में खेले गए लीजेंड्स लीग टी 20 टूर्नामेंट में मैच फिक्स करने की पेशकश के आरोप लगे थे। उस पर श्रीलंका की चयन समिति के अध्यक्ष उपुल थरंगा की शिकायत के आधार पर आरोप लगाए गए थे। पटेल पर अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध के बावजूद देश से भाग जाने के कारण उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया था। उसे पिछले साल मार्च में गिरफ्तार किया गया था और बाद में कड़ी शर्तों के तहत मई में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। श्रीलंका ने 2019 में खेल संबंधी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को अपनाया, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा और 5,50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है।

मेनन आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे, जयरामन मदनगोपाल का हुआ प्रमोशन

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के अलाउद्दीन पालेकर और इंग्लैंड के एलेक्स व्हार्फ को आईसीसी अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल किया जिसमें नितिन मेनन एकमात्र भारतीय हैं। भारत के जयरामन मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। मेनन अंपायरों के एलीट पैनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पालेकर और व्हार्फ एलीट पैनल में माइकल गॉफ और जोएल विल्सन की जगह लेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार 50 वर्षीय मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। यह उन्हें विदेशी टेस्ट और वनडे मैचों में अंपायरिंग करने के योग्य बनाता है। तमिलनाडु के पूर्व खिलाड़ी मदनगोपाल ने अब तक एक टेस्ट, 22 वनडे और 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में अंपायरिंग की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर पालेकर ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार टेस्ट, 23 वनडे और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ 17 महिला अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। उन्होंने पुरुषों के टी20 विश्व कप 2024 और अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 जैसे प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों में भी अंपायरिंग की है। व्हार्फ के पास प्रथम श्रेणी स्तर पर 16 साल क्रिकेट खेलने का अनुभव है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 एकदिवसीय मैचों भी खेले हैं। व्हार्फ ने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सात टेस्ट, 33 एकदिवसीय और 45 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैदान पर अंपायरिंग की है। वह हाल ही में हुए आईसीसी पुरुष और महिला विश्व कप, 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला टी20 विश्व कप और 2025 में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में अंपायरिंग कर चुके हैं। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने दोनों नए सदस्यों पालेकर और व्हार्फ को शुभकामनाएं देने के साथ ही निवर्तमान अंपायरों गॉफ और विल्सन को भी धन्यवाद दिया। शाह ने एक बयान में कहा, 'एलीट पैनल में शामिल होने के कारण काफी दबाव होता है, सब की नजरें आप पर होती है लेकिन हमें विश्वास है कि अलाउद्दीन और एलेक्स दोनों के पास शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अनुभव और कौशल है। मैं आईसीसी की ओर से उन्हें आगामी सत्र के साथ-साथ भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। हम जोएल और माइकल दोनों को कई वर्षों से विश्व स्तर पर उनकी सेवाओं के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद देना चाहते हैं।'

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पहले ही मैच में फ्लाप रहे

-शून्य पर आउट होने के बाद कप्तानी में भी की कई गलतियां

विशाखापट्टनम । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में देखा गया है कि महंगे खिलाड़ी असफल रहे हैं। ये एक बार फिर साबित हुआ है। लखनऊ सुपरजायंट्स ने ऋषभ पंत को आईपीएल नीलामी में सबसे बड़ी रकम देखकर खरीदा था पर वह अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में एक भी रन नहीं बना पाये। सुपरजायंट्स ने ऋषभ को कप्तान बनाया था पर वह एक रन भी नहीं बना पाये। वह एक के बाद एक वह पूरे मैच में गलती करते रहे। उनकी कप्तानी भी खराब रही जिससे हाथ में आया मैच टीम हार गयी। उनसे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। प्रशंसक उनकी आक्रामक बल्लेबाजी देखने मैदान पर पहुंचे थे। मगर 27 करोड़ का खिलाड़ी सात गेंद भी नहीं खेल सका और छह गेंद में खाता खोल बिना ही आउट हो गया। वहीं मैच में ऋषभ ने ट्रिस्टन स्टब्स को रन आउट करने का अवसर भी खोया। स्टब्स तब 12 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद इस बल्लेबाज ने 22 गेंद में 34 रन बनाये। दिल्ली को जीत के लिए अंतिम छह गेंदों में छह रन चाहिए थे और उसके पास केवल एक ही विकेट शेष था। 19.1 ओवर में शाहबाज अहमद की गेंद पर बल्लेबाज मोहित शर्मा को भी वह स्टंप आउट करने में असफल रहे। उन्होंने अंतिम ओवर स्पिनरों को देकर भी गलती की। इससे विरोधी टीम दिल्ली को आसानी से रन बनाने का अवसर मिल गया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 'ए' टीम में शामिल हो सकते हैं भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुछ मुख्य खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए मई-जून की विंडो में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले चार दिवसीय दो मुकाबलों में खेलने के लिए 'ए' टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इंग्लैंड की 45 दिवसीय यात्रा की शुरुआत भारत 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के साथ करेगा। भारत 2007 के बाद से 'ओल्ड ब्लाइटी' में पहली श्रृंखला जीतने का प्रयास करेगा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में आयोजित किया जाएगा। दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में शुरू होगा।'

भारत के सभी मुख्य क्रिकेटर इस समय अपनी-अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी के साथ अनुबंधित हैं क्योंकि लीग के नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा। भारतीय चयनकर्ताओं को इंग्लैंड दौरे से पहले भारत 'ए' टीम की घोषणा करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है और मौजूदा स्थिति के अनुसार करुण नायर इस दौरे में शामिल हो सकते हैं।

करुण ने 2024-25 के घरेलू सत्र में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और रणजी ट्रॉफी में नौ मैचों में 54 के औसत से चार शतक और दो अर्धशतक से 863 रन बनाकर चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनकी शानदार फॉर्म की बदौलत विदर्भ ने फाइनल में केरल को हराकर अपना तीसरा रणजी खिताब जीता। एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, 'टीम की घोषणा करने के लिए काफी समय है, नॉकआउट से पहले या इन मैचों के ठीक बाद। तब आपको स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी कि तब तक कौन से खिलाड़ी उपलब्ध हैं।'

रोहित शर्मा के इंग्लैंड में भारत की सीनियर टीम की अगुआई करने की उम्मीद है, भले ही न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट श्रृंखला में मिली हार के दौरान उनका प्रदर्शन मामूली रहा हो। भारत स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर भी नजर रखेगा जो अब भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। बुमराह आईपीएल 2025 के पहले कुछ मैचों के लिए मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

क्या भूत बंगला में अक्षय के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं राम चरण

अक्षय कुमार और मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म की शूटिंग जोरों पर चल रही है। हाल ही में इसका एक शेड्यूल जयपुर मैनशन में पूरा हुआ है। इस लोकेशन पर फिल्म की कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। इस बीच एक चौंकाने वाली खबर ने फैंस का ध्यान खींचा। साउथ के सुपरस्टार राम चरण की एक तस्वीर फिल्म के सेट से लीक हो गई है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है।

लीक हुई राम चरण की तस्वीर

लीक हुई तस्वीर में राम चरण को प्रियदर्शन के साथ बातचीत करते देखा गया। दोनों के बीच गहरी चर्चा चल रही थी। कुछ लोग कह रहे हैं कि शायद वे किसी सीन को लेकर बात कर रहे थे। वहीं, कुछ का मानना है कि यह महज एक संयोग हो सकता है। हो सकता है कि राम चरण पास में किसी दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रहे हों और प्रियदर्शन से मिलने चले आए हों।

अक्षय-राम चरण साथ आएंगे नजर?

इस तस्वीर के बाद फैंस के मन में एक ही सवाल गूंज रहा है कि क्या अक्षय कुमार और राम चरण साथ में स्क्रीन शेयर करने वाले हैं? अगर ऐसा हुआ तो यह बड़े पर्दे पर बड़ा पैन-इंडिया धमाका होगा। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि फिल्म के रिलीज के साथ कोई बड़ा सरप्राइज सामने आ सकता है।

ये सितारे भी हैं फिल्म में मौजूद

प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही भूत बंगला में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ इस फिल्म में परेश रावल, वामिका गब्बी, तब्बू, राजपाल यादव और जिशु सेनगुप्ता जैसे शानदार कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का भी देखने को मिलेगा। यह फिल्म 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में अक्षय कुमार को फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था। यह इस साल की पहली 100 करोड़ रुपये कमाने वाली हिंदी फिल्म थी। वहीं, राम चरण को गेम चेंजर नाम की फिल्म में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी।

सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

अभिनेत्री, बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा सिंगिंग में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। अजीब दास्तान में वह अपनी आवाज देती नजर आएंगी। गाने को आवाज देने के साथ ही मन्नारा ने म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्सों का निर्देशन भी किया है, जिसमें न्यूयॉर्क शहर की शानदार पृष्ठभूमि पर तैयार पुरानी दुनिया की धुनों के आकर्षण को खूबसूरती से दिखाया गया है। इस नए काम को लेकर उत्साहित मन्नारा ने कहा, संगीत हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। यह गीत इसलिए खास है, क्योंकि इसमें क्लासिक्स के प्रति मेरे प्यार को मेरे अपने कलात्मक स्पर्श के साथ मिलाया गया है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ यूनिवर्सल भी लगे और मुझे उम्मीद है कि लोग इससे उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ती आई हूं। अजीब दास्तान है ये मूल रूप से 1960 की फिल्म दिल अपना और प्रीत पराई से है, जिसमें मीना कुमारी, राजकुमार, जे. ओम प्रकाश, नादिरा, हेलेन और नाज ने अभिनय किया। इस गाने को दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने गाया है और इसे शैलेंद्र ने लिखा है। 33 वर्षीय अभिनेत्री मन्नारा का जन्म हरियाणा के अंबाला कैंटोनमेंट में हुआ था, उन्होंने 40 से अधिक विज्ञापनों में काम किया है। अभिनय की शुरुआत से पहले वह एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे नृत्य रूपों में प्रशिक्षण लिया। मन्नारा ने 2014 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगू फिल्म प्रेमा गीमा जंता नाई से अपने अभिनय की शुरुआत की।

उन्होंने अनुभव सिन्हा की जिद से हिंदी में शुरुआत की, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा भी थे। 2015 में चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा थिक्का में साई धरम तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। मन्नारा 2017 में रॉग से कन्नड़ फिल्म में डेब्यू कर चुकी हैं। वह साल 2023 में सलमान खान के शो बिग बॉस के 17वें सीजन में शामिल हुई थीं।

हर इंडस्ट्री में मौजूद है जेंडर आधारित भेदभाव

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने इंडस्ट्री में महिला कलाकारों के साथ होने वाली लैंगिक भेदभाव पर बात की है। पूजा ने अपने साथ हुए कुछ अनुभवों को भी शेयर किया है। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या उन्हें कभी भी किसी मेल को-एक्टर से परेशानी हुई है? जवाब में वो कहती हैं- 'यह सभी इंडस्ट्री में होता है लेकिन अलग-अलग स्तर पर। इनमें से कुछ बहुत ही खुले रूप में है और कुछ बहुत ही शटल तरीके में। छोटी-छोटी चीजें होती हैं। जैसे कि मेल एक्टर की वैनिटी वैन सेट के पास खड़ी होती है। जबकि हमें अपने लहंगे को उठाकर दूर तक चलाना पड़ता है।' मैं कभी-कभी सोचती हूं, हमारे बारे में भी सोचो। हमें इतनी भारी भरकम कपड़ों में अपने वैन तक पहुंचने के लिए खुद को घसीटना पड़ता है। ये एक शटल सेक्सिज्म है। यह भी हो सकता है कि आपका नाम पोस्टर में न हो। कभी-कभी आपको क्रेडिट तक नहीं दिया जाता, जबकि भले ही फिल्म लव स्टोरी ही क्यों न हो? हम सबको समझना होगा कि फिल्म बनाना एक कलेक्टिव एफर्ट है। पूजा आगे कहती हैं कि उन्होंने कई ऐसे मेल को-स्टार के साथ काम किया है, जिन्होंने दशकों की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लेकिन जहां टेक्निकली वो बड़ी स्टार रही हैं, उन्हें वहां भी सेट पर दूसरे दर्जे का एहसास कराया गया है।

पूजा के काम की बात करें तो इन्होंने तमिल, तेलगु और हिंदी तीनों इंडस्ट्री में काम किया है। पूजा मिस यूनिवर्स इंडिया 2010 की रनर अप भी रह चुकी हैं। 2012 में तमिल फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। हाल में शाहिद कपूर के साथ इनकी फिल्म 'देवा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने एक जर्नलिस्ट की भूमिका निभाई थी।

जिंदगी जीने के तरीके को लेकर तमन्ना भाटिया का बड़ा खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपनी खूबसूरती और बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। अपने कथित बॉयफ्रेंड विजय वर्मा से ब्रेकअप की अफवाहों के बाद अब तमन्ना भाटिया ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ खुलासे किए हैं, जो उनके लिए काफी निजी तौर पर मायने रखते हैं। कथित तौर पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के बारे में यही खबरें आ रही थीं कि वे कुछ समय तक एक-दूसरे के साथ रिश्ते में रहने के बाद अब अलग हो गए हैं। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है। लोगों का कहना है कि तमन्ना शादी करना चाहती थीं, लेकिन विजय अपने करियर पर ध्यान देना चाहते थे। खबर के मुताबिक, तमन्ना ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी निजी बातों को सबसे छुपाकर रखती हैं और केवल वही बताती हैं, जो उन्हें ठीक लगता है। जब उनसे पूछा गया कि वह अपनी निजी जिंदगी को कैसे छुपाती हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना पसंद है। वह एयरपोर्ट पर भी फैंस के साथ खुशी-खुशी तस्वीरें खिंचवातीं हैं। उनका कहना है कि उन्होंने यह काम चुना है और उन्हें लोगों के बीच रहना अच्छा लगता है। तमन्ना को अजनबियों से बात करना भी पसंद है। उनका मानना है कि इससे उन्हें गहरी बातचीत करने का मौका मिलता है। वह कहती हैं कि वह अपनी जिंदगी के बारे में जितना बताना चाहती हैं, उतना ही बताती हैं और उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

राहुल बोस ने खुद को बताया स्टारलेट

आपको 2003 में आई फिल्म 'चमेली' तो याद ही होगी। फिल्म में करीना कपूर के साथ राहुल बोस मुख्य भूमिका में नजर आए थे। हालांकि, राहुल बोस का ये मानना है कि उस फिल्म की प्रमुख स्टार करीना कपूर ही थीं। साथ ही अभिनेता ने ये भी बताया कि फिल्म की उनकी फीस करीना को मिली फीस का एक छोटा सा हिस्सा मात्र थी। अभिनेता राहुल बोस ने बॉलीवुड में वित्तीय असमानता पर भी खुलकर बात की। अभिनेता ने कहा, पुरुष अभिनेताओं ने भी वर्षों से स्टारलेट की भूमिका निभाई है। मैं खुद इसका एक उदाहरण हूं। फिल्म 'चमेली' में मैं स्टारलेट था और करीना स्टार थीं। वो आज भी मुझसे ज्यादा लोगों को थिएटर में ला सकती हैं।

अभिनेता ने आगे कहा, फिल्म 'चमेली' में मुझे करीना के मुकाले कम पैसे मिले थे। जो कि तार्किक भी है। जो लोग ज्यादा लोगों को थिएटर में बुला सकते हैं, बेहतर होगा कि उनके अनुपात का ध्यान भी रखा जाए और ऐसा हुआ भी है। यह पैटर्न कायम रहा, क्योंकि मैं कभी भी ऐसा अभिनेता नहीं था जो दर्शकों को सिनेमाघरों तक ले आए। राहुल बोस ने आगे पैसों के भुगतान के मामले पर बात करते हुए कहा, मुझे बॉलीवुड में पैसों के भुगतान का पैट्रेन सही लगता है। यहां कलाकार की कमाई उसके बॉक्स ऑफिस अपील पर टिकी होती है। जो जितने लोगों को थिएटर में ला सकता है, उसे उस हिसाब से भुगतान किया जाएगा। खुद दो फिल्मों का निर्माण करने के बाद अभिनेता ने ये महसूस किया है कि उन्होंने खुद को जितना भुगतान किया, उससे ज्यादा नहीं किया होता। लैंगिक वेतन असमानता पर बहस को खारिज करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रणाली सीधी है, अगर कोई अभिनेता राजस्व लाता है, तो वे अधिक कमाते हैं, यदि नहीं, तो उनका वेतन इसे दर्शाता है।

कंटेंट वाली फिल्मों को लेकर एकता कपूर की खरी-खरी

ब्रिटिश वेब सीरीज एडोलसेंस इस समय काफी चर्चा में है। अनुराग कश्यप और हंसल मेहता सहित कई अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं ने इस सीरीज की प्रशंसा की है। निर्माता एकता कपूर ने अपने साथी फिल्म निर्माताओं के विचारों पर अपनी राय रखी। एकता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक सीरीज शेयर की। उन्होंने लिखा कि भारत में क्वालिटी कंटेंट क्यों संघर्ष करता है? उन्होंने सवाल किया कि क्या समस्या फिल्म निर्माताओं के साथ थी या दर्शकों के साथ? एकता ने लिखा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और मेरे प्यारे दोस्त हंसल मेहता की बकिंघम मर्डर्स सिनेमाघरों में नहीं चलती तो क्या हम असली दोषियों को दोष दे सकते हैं? एकता कपूर ने क्रिप्टिक पोस्ट लिखते हुए कहा कि भारतीय फिल्म निर्माताओं को जोखिम लेने और परियोजनाओं में अपना पैसा निवेश करने की जरूरत है। एकता कपूर ने क्रिएटर्स को कंटेंट वाली फिल्मों में अपना पैसा लगाने का आग्रह किया, उन्होंने कहा, क्रिएटर्स मैं आपसे सिस्टम से लड़ने का आग्रह करती हूं, ये पैसे के भूखे, कॉर्पोरेट स्टूडियो और ऐप्स केवल पैसे (मैं भी शामिल हूं) और नंबरों के बारे में सोचते हैं! मूवी मेकिंग, कंटेंट क्रिएशन कोई बिजनेस नहीं है। यह एक कला है और मैं कला का समर्थन करना चाहता हूं, इसलिए मैं क्रिएटर्स से अपना पैसा लगाने का आग्रह करता हूं।

पंजाबी फिल्म को बॉलीवुड से जोड़ने पर हिना खान ने की गिप्पी ग्रेवाल की तारीफ

अभिनेत्री हिना खान ने हाल ही में पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री और बॉलीवुड के बीच की खाई को पाटने के लिए अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की प्रशंसा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। गिप्पी की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'अकाल' दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी में रिलीज होने वाली पहली पंजाबी फिल्म होगी। करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस आगामी पंजाबी फिल्म का हिंदी वर्जन प्रस्तुत कर रही है। हिना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक भावुक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने गिप्पी और उनके परिवार के साथ अपने हालिया मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। कुछ तस्वीरों में अभिनेत्री गिप्पी के बेटे गुरफतेह सिंह ग्रेवाल (शिंदा) के साथ पोज देती नजर आईं। हिना ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, पिछली रात मैं अपने परिवार से मिली, जो हमेशा मेरे साथ रहे हैं... गिप्पी आप एक प्योर सोल हैं और आपका दिल गोल्डन है। इसके साथ ही हिना ने रवनीत के लिए खूबसूरत लाइन्स लिखी, उन्होंने कहा, रवनीत आपको जैसे ही मेरे इलाज के बारे में पता चला, आप तभी से मेरे बारे में पूछती रहीं और हालचाल लेती रहीं। आपने कभी भी मेरा हालचाल पूछना बंद नहीं किया और अपनी सर्जरी से ठीक पहले आपके द्वारा मेरे लिए रखे खास पथ और अरदास को मैं कभी नहीं भूल सकती। अभिनेत्री ने कहा, मेरा इस परिवार के साथ एक बहुत ही खास रिश्ता है.. यह परिवार हमेशा प्यार और खुशी के साथ फलता-फूलता रहे। गिप्पी को पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को बॉलीवुड के साथ जोड़ने के लिए बहुत-बहुत बधाई और 'अकाल' के लिए शुभकामनाएं। तुसी तो छा गए, ढेर सारा प्यार हमेशा। बता दें, गिप्पी ग्रेवाल न केवल अकाल में अभिनय कर रहे हैं, बल्कि प्रोजेक्ट के निर्देशक और लेखक के रूप में भी हैं। फिल्म में निमरत खैरा, अपिंदरदीप सिंह, मीता वशिष्ठ, प्रिंस कंवलजीत सिंह, निकितिन धीर, गुरप्रीत घुग्गी, शिंदा ग्रेवाल, एकोम ग्रेवाल और जग्गी सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'अकाल' 10 अप्रैल, 2025 को पंजाबी और हिंदी में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर 'अकाल' के साथ पंजाबी फिल्म में डेब्यू करने जा रहे हैं। रण जौहर ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने पर गर्व व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, पंजाबी सिनेमा में शुरुआत के साथ टैलेंटेड गिप्पी ग्रेवाल संग जुड़ने पर गर्व है। अकाल न केवल पंजाब की संस्कृति और इतिहास का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि मुझे विश्वास है कि यह पूरे भारत और उससे परे के लोगों के साथ गहरे स्तर पर जुड़ सकेगा। यही वजह है कि हमें अकाल को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी में रिलीज होने वाली पहली पंजाबी फिल्म के रूप में पेश करने पर और भी गर्व है...ताकि सिनेमा का जादू सीमाओं से परे भी जीतता रहे।

कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार-जॉन अब्राहम? क्या है सच

जॉन अब्राहम ने हाल ही में कॉमेडी फिल्म के लिए अपने अभिनेता अक्षय कुमार के साथ रियूनियन का संकेत दिया है। इससे पहले यह जोड़ी गरम मसाला और देसी बॉयज सहित कई प्रतिष्ठित कॉमेडी फिल्मों में स्क्रीन स्पेस साझा कर चुकी है। जॉन से दोनों फिल्मों के सीक्वल की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उत्साह व्यक्त किया उन्होंने कहा- हां, हम इनमें से किसी एक या दोनों फिल्मों को बनाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि वे मजेदार होंगी। जॉन ने अक्षय के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा- मुझे नहीं लगता कि अन्य दो अभिनेताओं के बीच अक्षय और मेरे बीच जैसी केमिस्ट्री है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अक्षय के साथ काम करना छुट्टी मनाने जैसा लगता है, वह एक अच्छे इंसान हैं, इसलिए हम अच्छा समय बिताएंगे।

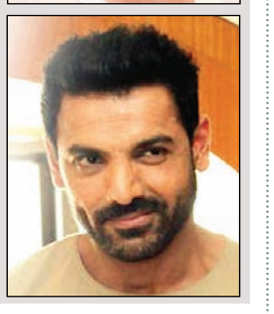

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में कदापि लापरवाही न बरतें अधिकारी : एडीसी साहिल गुप्ता

एडीसी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की शासी निकाय समिति बैठक संपन्न

टीबी उन्मूलन के लिए गांवों पर करें फोकस, टीबी मुक्त पंचायत के प्रयास तेज करने के निर्देश

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। एडीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की शासी निकाय समिति समीक्षा बैठक मंगलवार को लघु सचिवालय सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला स्तर पर संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। इसमें एनएचएम व संबंधित खर्च, एनीमिया मुक्त हरियाणा की जिला स्तरीय प्रगति, मातृत्व मृत्यु, स्पेशल इम्यूनाइजेशन के अलावा एनसीडी से संबंधित कार्यक्रमों की मौजूदा स्थिति एवं प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश एडीसी ने दिए।

एडीसी साहिल गुप्ता ने मुख्य

चिकित्साधिकारी जयंत आहूजा सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कदापि लापरवाही न बरतें। बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का नियमित टीकाकरण, बच्चों में कुपोषण संबंधी जांच आदि की विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने एनएचएम के द्वारा किए जा रहे खर्चों की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खर्चों की समीक्षा और निगरानी प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए कदम उठाएं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान लेकर को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली और अधिकारियों द्वारा अभियान की वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और आगामी योजनाओं पर चर्चा की, ताकि एनीमिया मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सके। एडीसी ने कहा कि किसी भी स्थिति में एनीमिया पीड़ितों की फॉलोअप रिपोर्ट सुनिश्ति की जाए।

जिला में 17 मार्च से 22 मार्च तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित विशेष टीकाकरण सप्ताह कार्यक्रम की भी इस दौरान समीक्षा की गई। इसमें टीकाकरण बढ़ाने के लिए यथासंभव रणनीतियों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 20 फरवरी से 31 मार्च तक चलाये जा रहे तीव्र गैर-संक्रामक रोग (NCD) स्क्रीनिंग अभियान की प्रगति, चुनौतियां और आगामी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। एडीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अभियान की सफलता के लिए समर्पण और सहयोग से कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि गैर संचारी रोग(एनसीडी) की बढ़ती दर को देखते हुए इस अभियान की सफलता राज्य के स्वास्थ्य परिदृश्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

समीक्षा बैठक में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, सीएमओ डॉ जयंत आहूजा सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

टीबी उन्मूलन प्रोग्राम के लिए गांवों पर फोकस करने के निर्देश

एडीसी ने ग्राम पंचायतों में टीबी नियंत्रण व उन्मूलन के लिए सरपंच स्तर पर सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन राष्ट्रीय स्तर की मुहिम है। इसमें जिले की शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में स्क्रीनिंग व मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है। ऐसे में टीबी मुक्त पंचायत के प्रयास तेज किए जाएं। साथ ही साथ लो परफोर्मिंग एरिया चिन्हित कर वहां अतिरिक्त मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर टीबी हारेगा, देश जीतेगा अभियान के तहत टीबी मुक्त भारत की शपथ भी ली।

फरीदाबाद में 5 मिनी जंगलों और इको सेंटर म्यूजियम का भव्य उद्घाटन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सेक्टर 15, फरीदाबाद में आज भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने पांच मिनी जंगलों और एक विशेष प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (इको सेंटर म्यूज़ियम) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री विपुल गोयल ने कहा कि यह पहल न केवल फरीदाबाद की जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद करेगी, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी। यह परियोजना सी. दस ग्रुप के सहयोग से विकसित की गई है और इसे समर्थ खन्ना द्वारा डिज़ाइन किया गया है।

इको वैन और इको सेंटर म्यूज़ियम की खासियतें

इको वैन में फरीदाबाद की प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता को दर्शाने वाली आकर्षक प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। यह छात्रों और आगंतुकों को स्थानीय पारिस्थितिकी के बारे में सीखने का अनूठा अवसर प्रदान करती है। इस कार्यक्रम में स्थानीय स्कूलों के 50 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वृक्षारोपण एवं वॉल आर्ट गतिविधियों में हिस्सा लिया। श्री विपुल गोयल ने भी छात्रों के साथ मिलकर पौधारोपण किया, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इको सेंटर म्यूज़ियम में छात्रों की गतिविधियां

डीपीएस फरीदाबाद की टीम SEWAM (सोसायटी एम्पावर्ड फॉर द वेलफेयर ऑफ एनिमल्स एंड मैनकाइंड) के छात्रों ने कई रोचक गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें शामिल हैं:

1. मेजर योर विंग स्पैन छात्रों ने पक्षियों और उनके पंखों की लंबाई को मापकर विभिन्न प्रजातियों के बारे में जाना और उनके पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व को समझा।

2. फॉरेस्ट योगा बच्चों ने प्रकृति से प्रेरित योगासन प्रस्तुत किए, जिससे स्वस्थ जीवनशैली और प्रकृति से जुड़ाव का संदेश दिया गया।

3. वृक्षारोपण अभियान गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों ने मिलकर स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए, जो इन नए मिनी जंगलों का हिस्सा बनेंगे।

4. खुशियों के रंग बच्चों ने इको सेंटर की बाहरी दीवारों को रंगों से सजाया, जिससे प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा प्रतिबिंब देखने को मिला।

5. इमोशन्स का इंद्रधनुष छात्रों ने हस्तनिर्मित टोट बैग्स पर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। ये बैग्स वंचित लड़कियों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, जिससे कला, सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण का अनोखा संगम देखने को मिला।

फरीदाबाद के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहल

इन पांच मिनी जंगलों, इको वैन और इको सेंटर म्यूज़ियम की स्थापना पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देने और प्रकृति के प्रति गहरी समझ विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री श्री विपुल गोयल ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में श्री बी. आर. भाटिया, विपिन भाटिया और संजय बत्रा उपस्थित रहे।

इको वैन और म्यूज़ियम के बारे में

इको वैन और इको सेंटर म्यूज़ियम का उद्देश्य जैव विविधता, विकास और संरक्षण के महत्व को बढ़ावा देना है। यह विशेष रूप से फरीदाबाद के प्राकृतिक इतिहास पर केंद्रित है और छात्रों व नागरिकों को पर्यावरण से जुड़ने के लिए एक शिक्षाप्रद और इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करता है। यह आयोजन फरीदाबाद को एक हरित और सतत भविष्य की ओर अग्रसर करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉक्टर सूरज प्रकाश आरोग्य केन्द्र द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भारत विकास परिषद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित डॉ. सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र द्वारा कम्युनिटी सेंटर अजरौंदा मे नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लडप्रैशर और स्वास्थ्य एवं आंखों की निशुल्क जांच की गई। इस निशुल्क शिविर 161 पेशेंट्स की जांच की गई तथा 16 पेशेंट्स को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया,जिनका डॉक्टर सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र सेक्टर 8 में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इस कैंप इन सभी का ऑप्रेशन आने वाले कुछ दिनों में नि:शुल्क किया जायेगा।

निगम पार्षद कुलदीप सिंह साहनी ने कैंप आयोजित करने पर आयोजकों का धन्यवाद कहा तथा आजरौंदा क्षेत्र में एक सरकारी डिस्पेंसरी खोलने की बात कही जिससे क्षेत्र के सभी नागरिक स्वास्थ्य लाभ ले सकें। इस कैंप के आयोजन की सहयोगी संस्था भारत सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल जी ने बताया कि हम समय समय पर इस प्रकार के कैंप

जनसाधारण के लिए लगाते रहते हैं। भारत सेवा प्रतिष्ठान से दीपक ठुकराल सचिव, अरुण वालिया कॉर्डिनेटर, भारत विकास परिषद से राकेश जी, पवन अग्रवाल, सुनीता गुप्ता, आरती अग्रवाल, तमन्ना अग्रवाल, समीर शर्मा RWA अजरोंदा से सुरिंदर डूडी अध्यक्ष, वीरेंद्र सैनी, सचिव, चंद्रशेखर शाखा, (सेवा विभाग) से सुरेश गुप्ता नगर सेवा प्रमुख, रामदत्त शर्मा, निर्मल माखीजा, सतबीर गवर्मेंट महिला कॉलेज से डॉक्टर रचना सैनी, प्रभाकर पांडे जी एवं समाज सेवी मुकेश आदि उपस्थित रहे। डॉ सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र बहुत ही सस्ती दरों पर उच्च स्तरीय इलाज जनसाधारण के लिए उपलब्ध कराता है।

मून लाइट पैंथर्स ने सुनर्स क्लब को 5 रन से हराया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। 25वां रविंदर फागना सिल्वर जुबली कैश प्राइज मिक्स कॉरपोरेट कप टूर्नामेंट 202425, रविंदर फागना क्रिकेट ग्राउंड भूमि पाली फरीदाबाद पर खेला गया। और यह मैच मून लाइट पैंथर्स ओर सुनर्स क्लब के बीच खेला गया। इस मैच में मून लाइट पैंथर्स ने सुनर्स क्लब को 5 रन से हराया। यह मैच 20 ओवर का था और मून लाइट पैंथर्स ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मून लाइट पैंथर्स टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 177 रन का लक्ष्य दिया। मून लाइट पैंथर्स की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए

अंकित सिंह राजपूत ने 24 गेंदों में 4 चौके, 2 छक्के की मदद से 40 रन, नमन टागरा ने 42 गेंदों में 1 चौके की मदद से 35 रन बनाए। सुनर्स क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए कार्तिक राव ने 3 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट, दिलीप चौरसिया 2 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट, त्रिशांत रावत, सिद्धार्थ गुप्ता, प्रशांत रावत ओर संतोष ने 11 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम सुनर्स क्लब ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा।

सुनर्स क्लब की ओर से बल्लेबाजी करते हुए मयंक भारद्वाज ने 39 गेंदों पर 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 76 रन, त्रिशांत रावत ने 36 गेंदों में 2 चौके ओर 1 छक्के की मदद से 28 रन बनाए। मून लाइट पैंथर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए सोनू नौनिहाल ने 3 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट, पीयूष छपराना, विवेक सिंह ओर रजत सिरधाना ने 11 विकेट लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच सोनू नौनिहाल को घोषित किया गया और फाइटर ऑफ द मैच मयंक भारद्वाज को घोषित किया गया।

तकनीकी खराबी के चलते निगम की वेबसाइट बंद, रुका टैक्स भुगतान

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम की वेबसाइट में तकनीकी खराबी आने के कारण पिछले पांच दिनों से प्रॉपर्टी आईडी नहीं बन पा रही है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन पोर्टल ठप होने की वजह से लोग न तो नई प्रॉपर्टी आईडी जेनरेट कर पा रहे हैं और न ही अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर पा रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक यह समस्या केवल फरीदाबाद तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे हरियाणा में हैं। बल्लभगढ़ नगर निगम की जोनल टैक्सेशन ऑफिसर दीपा पब्बी ने बताया कि इस तकनीकी दिक्कत चंडीगढ़ से हैं। तकनीकी टीम समस्या को ठीक करने में जुटी हुई है और जल्द ही पोर्टल को दोबारा चालू कर दिया जाएगा नगर निगम की साइट ठप होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को हो रही है जो ऑनलाइन माध्यम से अपना टैक्स भुगतान करना चाहते हैं। साइट के ठीक से काम न करने के चलते ओटीपी जनरेट नहीं हो रहा, जिससे ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। निगम ने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही वेबसाइट सुचारू रूप से कार्य करने लगेगी, सभी लंबित कार्यों को तेजी से निपटाया जाएगा।

तकनीकी दिक्कत के चलते बड़ी संख्या में लोग नगर निगम के दफ्तरों में ऑफलाइन सहायता लेने के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि सिस्टम डाउन होने की वजह से यहां भी उन्हें राहत नहीं मिल पा रही है। नगर निगम प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। जब तक पोर्टल ठीक नहीं होता, नागरिकों को धैर्य रखने और समय-समय पर अपडेट के लिए नगर निगम के आधिकारिक चैनलों पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271

davaindia GENERIC PHARMACY
डिस्काउंट के पीछे भागना छोड़ो
दवाइयों के बिल पर अधिकतम बचत करें*
APPROVED BY FDA
100%* असरदार
*अन्य ब्रांडेड दवाईयों की तुलना में अधिकतम बचत
MEDICINES | HEALTH & WELLNESS | OTC
COSMETICS | PROTEIN SUPPLEMENTS | AYURVEDIC | NUTRACEUTICAL
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
संपर्क करे 9811153271
MHRFAR4322
शॉप नंबर 75, नई अनाज मंडी, बल्लभगढ़, फुट ब्रिज के पास, फ़रीदाबाद -121004

davaindia GENERIC PHARMACY

कैटेगरी	दवाइंडिया की कीमतें	दवाईं की मार्केट में औसतन कीमत	बचत (प्रतिशत)
बीपी एवं हार्ट	₹ 20 (10 Tab)	₹ 67 (10 Tab)	70%
एंटी-डायबिटीज	₹ 30 (15 Tab)	₹ 204 (15 Tab)	85%
मल्टीविटामिन	₹ 50 (15 Tab)	₹ 110 (15 Tab)	54%
नेफ्रो	₹ 33 (10 Tab)	₹ 347 (10 Tab)	90%
डर्मा	₹ 45 (04 Tab)	₹ 99 (04 Tab)	54%
पेन रिलीफ मेडिसिन	₹ 35 (10 Tab)	₹ 130 (10 Tab)	73%
एंटी-कोल्ड / एलर्जी	₹ 27 (10 Tab)	₹ 226 (10 Tab)	88%
एंटासिड	₹ 25 (10 Tab)	₹ 140 (10 Tab)	82%

फार्मा में 35+ सालों का अनुभव | NABL लैब द्वारा प्रमाणित प्रोडक्ट्स | सभी प्रोडक्ट्स WHO सर्टिफाइड प्लांट्स में निर्मित | 2000+ प्रोडक्ट्स उपलब्ध
Khadi India
के सभी प्रोडक्ट्स उपलब्ध
1000+ Stores | 200+ Districts | 26 States
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे 9811153271

OMAXE
Turning dreams into reality
250 Sqft. Shop
Starts @35.87 Lakhs
Monthly Rent 37,125/-
INVESTOR SMILE REAL ESTATE
9899403449, 9810796736